24 अक्टूबर 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

हर मतदाता तक पहुंचे लोकतंत्र का संदेश : सामान्य 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

रक्षा मंत्रालय ने 79 हजार करोड़ के सौदे को दी मंजूरी

एजेंसी/ नई दिल्ली

देश की सुरक्षा क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 79 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है। इस निर्णय से थलसेना, नौसेना और वायुसेना की युद्धक क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा। यह मंजूरी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में भी एक अहम कदम मानी जा रही है। 23 अक्तूबर 2025 को नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में हुई इस अहम बैठक में तीनों सेनाओं की कई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इस मंजूरी में भारतीय थलसेना के लिए नाग मिसाइल

सिस्टम एमके-क्क्ष ग्राउंड बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम और हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की खरीद शामिल है। वहीं नौसेना और वायुसेना के लिए भी कई उन्नत हथियार प्रणालियों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की रक्षा तैयारियों में बड़ी छलांग लगने वाली है। थलसेना के लिए स्वीकृत नाग मिसाइल सिस्टम एमके-क्क्ष दुश्मन के टैंकों, बंकरों और अन्य किलेबंद ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। यह मिसाइल सिस्टम ह्यट्रैक्ड वर्जनह्ल में होगा, जिसे कठिन इलाकों में भी आसानी से तैनात किया जा सकेगा। ग्राउंड बेस्ड मोबाइल सिस्टम सेना को दुश्मन की रेडियो तरंगों और इलेक्ट्रॉनिक उत्सर्जनों की 24 घंटे निगरानी की क्षमता देगा, जिससे खुफिया जानकारी जुटाने की गति और सटीकता बढ़ेगी। वहीं हाई मोबिलिटी व्हीकल्स से रसद आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे सैनिकों तक भारी सामान और उपकरण कठिन भौगोलिक इलाकों में भी पहुंचाए जा सकेंगे।

नौसेना की बढ़ेगी समुद्री शक्ति

भारतीय नौसेना के लिए डीएसी ने लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स, 30 मिमी नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और स्मार्ट गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी दी है। इन आधुनिक प्रणालियों से नौसेना की उभयचर युद्धक क्षमता और समुद्री निगरानी शक्ति में जबरदस्त सुधार होगा। लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स से नौसेना को थलसेना और वायुसेना के साथ मिलकर उभयचर अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी। वहीं, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने विकसित किया है। ये पारंपरिक, परमाणु और छोटे पनडुब्बियों को निशाना बना सकता है। इसके अलावा 30 मिमी नेवल सरफेस गन से नौसेना और कोस्ट गार्ड को समुद्री डकैती और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों में मजबूती मिलेगी।

वायुसेना को मिलेगा अत्याधुनिक सिस्टम

भारतीय वायुसेना के लिए कॉलैबोरेटिव लॉन्ग रेंज टारगेट सैचुरेशन/डिस्ट्रक्शन सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह सिस्टम स्वचालित टेकऑफ, लैंडिंग, नेविगेशन और लक्ष्य क्षेत्र में सटीक हमला करने की क्षमता रखता है। इससे वायुसेना की रणनीतिक हमलावर क्षमता और सटीकता में भारी बढ़ोतरी होगी।

60 दवाओं के सैंपल फेल, 52 मानक के नीचे

एजेंसी/ नई दिल्ली

देश में मिलावटी और घटिया गुणवत्ता वाली दवाओं पर बड़ी कार्रवाई की गई है। केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने सितंबर महीने में विभिन्न कंपनियों द्वारा बनाई गई 52 दवाओं को मानक गुणवत्ता से कम पाया है। वहीं, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने भी 60 दवा सैंपल को अस्वीकार्य गुणवत्ता का बताया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, यह जांच नियमित नियामक निगरानी के तहत की जाती है। हर महीने की तरह इस बार भी सितंबर 2025 के लिए मानक से कम और नकली दवाओं की सूची केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। मंत्रालय ने कहा कि ये दवाएं देशभर के अलग-अलग राज्यों में निर्मित की गई थीं, और कई बड़ी फार्मा कंपनियां भी इस सूची में शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि एनएसक्यू की पहचान दवा के एक या अधिक गुणवत्ता मानकों में असफल रहने के आधार पर की जाती है। यह असफलता केवल उस विशिष्ट बैच की होती है जिसकी जांच की गई, इसलिए इसका असर अन्य बैचों पर नहीं माना जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहती है ताकि बाजार में मौजूद असुरक्षित, घटिया या नकली दवाओं को पहचानकर हटाया जा सके। केंद्र सरकार ने राज्य औषधि नियंत्रकों के साथ मिलकर कड़े नियामक कदम उठाने शुरू किए हैं। ऐसे मामलों में कंपनियों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने से लेकर कानूनी कार्रवाई तक की जा सकती है।

चुनाव से पहले राज्य में आतंक फैलाने की योजना विफल

दिल्ली में मारे गए बिहार के 4 मोस्ट वांटेड

एजेंसी/ नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस ने बड़ा कारनामा कर दिया है। बुधवार देर रात करीब दो बजे बहादुर शाह मार्ग पर डॉ. अंबेडकर चैक से पंसाली चैक तक चली मुठभेड़ में चार कुख्यात बदमाश मारे गए हैं। यह ऑपरेशन दिल्ली क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने किया। जानकारी के मुताबिक ये लोग बिहार चुनाव से पहले राज्य में आतंक फैलाने की साजिश रच रहे थे। मारे गए बदमाशों की पहचान रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी (25), मनीष पाठक (33) के रूप में हुई है, ये सभी सीतामढ़ी के निवास थे।जबकि एक और अमन ठाकुर (21) दिल्ली का रहने वाल है। सभी को गोली लगने के बाद रोहिणी के डॉ. बीएसए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, ये बदमाश बिहार में हिंसा भड़काने, वोटरों को डराने और राजनीतिक हत्याओं की योजना बना रहे थे। बिहार पुलिस ने बताया कि ये गिरोह चुनावी फंडिंग और जबरन वसूली में भी लिप्त था। बिहार के डीजी ने कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा से कहा था कि सीतामढ़ी का कुख्यात रंजन पाठक अपने गिरोह के कुछ बदमाशों के साथ दिल्ली में छिपा हुआ है। उन्हें पकड़ने के लिए मदद करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने क्राइम ब्रांच को इसकी जिम्मेदारी सौंपी थी। सीतामढ़ी का यह गिरोह बेहद कुख्यात माना जाता है। बिहार पुलिस से गिरोह के कई बदमाशों पर इनाम भी है। दिल्ली क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार देर रात करीब 2.30 बजे बेगमपुर इलाके में जब बदमाशों को घेरा तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने भी गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसमें चारों बदमाश गोलियां लगने से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरा मारा गया बदमाश बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी रंगदारी और हथियार तस्करी में सक्रिय था। वह रंजन का दाहिना हाथ माना जाता था। तीसरा अपराधी मनीष पाठक कई हत्याओं और अपहरण के मामलों में वांटेड था।

बिहार में आज से शुरू होगा चुनाव प्रचार

बिहार को चुनाव के दौरान दहलाने की साजिश रचने वाले गिरोह के चार कुख्यात को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने ढेर कर बड़ी सफलता हासिल की है। बिहार में चुनाव प्रचार आज से शुरू होना है। यह गिरोह नेपाल से ऑपरेट होता था। सीतामढ़ी और आसपास के जिले में हत्या या अन्य कोई वारदात करने के बाद सरगना हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए मीडिया को अपना पूरा बायोडाटा भी भेजता था। बायोडाटा में गिरोह के पूरे कारनामे के बारे में जिक्र होता था कि गिरोह अब तक कितने वारदात को अंजाम दे चुका है।

बिहार में जंगलराज को लोग 100 साल तक नहीं भूलेंगे : पीएम मोदी

एजेंसी/ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए गुरुवार को कहा कि जो लोग अपने आप को गठबंधन कहते हैं, बिहार की जनता उनको लठबंधन कहती है। वो सिर्फ लठ चलाना और झगड़ा करना जानते हैं। लठबंधन वालों के लिए अपना स्वार्थ ही सबसे बड़ा है। इन्हें बिहार के युवाओं की चिंता नहीं है। दशकों तक देश और बिहार के नौजवान नक्सलवाद और माओवादी आतंक से पीड़ित रहे। लेकिन, इन लोगों ने आपको नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ को

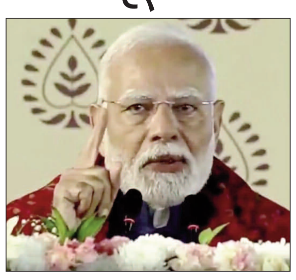

हो प्राथमिकता दी। माओवादी आतंक से मदद लेकर ये लोग चुनाव भी जीतते रहे। ह्यमेरा बूथ सबसे मजबूतह्ल कार्यक्रम में बिहार के युवा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने यह बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में जंगलराज को लोग अगले 100 साल तक नहीं भूलेंगे, चाहे विपक्ष अपने कुकर्मों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले। यह चुनाव बिहार के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने वाला है, युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा कार्यकताओं से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि बुजुर्ग लोग बिहार में जंगलराज के दौरान हुए अत्याचारों के बारे में युवाओं को बताएं। मोदी ने कहा कि जनता के वोट की ताकत को बिहार के भाइयों और बहनों से बेहतर कोई नहीं समझता।

छठ पूजा को लेकर दिल्ली सरकार ने घोषित किया डेढ़ दिन की छुट्टी

एजेंसी/ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने छठ पूजा को लेकर एक ऐतिहासिक और बड़ा फैसला लिया है। इस बार राजधानी में पहली बार छठ पर्व के लिए डेढ़ दिन की सरकारी छुट्टी घोषित की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ऐलान किया कि 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से सभी सरकारी दफ्तर बंद कर दिए जाएंगे और 28 अक्टूबर को पूरे दिन की छुट्टी रहेगी। अब तक दिल्ली में छठ पर्व के लिए केवल एक दिन की छुट्टी दी जाती थी, लेकिन इस बार इसे बढ़ाकर डेढ़ दिन कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले को बिहार विधानसभा चुनाव से भी जोड़ा जा रहा है, क्योंकि दिल्ली में लगभग 5 लाख पूर्वांचली मतदाता हैं, जो इस पर्व पर अपने गृह राज्य जाकर मतदान भी करते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस बार छठ पर्व को दीपावली की तर्ज पर भव्यता से मनाया जाएगा, जैसा कि कर्तव्य पथ पर दीपोत्सव हुआ था। दिल्ली सरकार यमुना घाटों पर 17 स्थानों पर मॉडल छठ घाट बना रही है, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लंबे हैं। पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक पूरी तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, पिछली सरकार ने यमुना घाट पर छठ पूजा पर रोक लगा दी थी और 2021 में छठ व्रतियों पर केस भी दर्ज हुए थे।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में सुबह-शाम हल्की ठंड देखने को मिल रही है

गुलाबी ठंड की दस्तक! दिल्ली-एनसीआर में कोहरा

एजेंसी/ नई दिल्ली

देशभर में बारिश लगभग खत्म हो चुकी है। कई राज्यों में गुलाबी ठंड ने भी दस्तक दे दी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में सुबह-शाम हल्की ठंड देखने को मिल रही है। हालांकि, अगले दो दिनों तक दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में भारी से भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने इसकी चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बना एक सुस्पष्ट निम्न दबाव

का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की तरफ बढ़ रहा है, जिससे मौसम में बड़े स्तर पर बदलाव देखने को मिल रहे हैं। दिवाली के बाद से ही दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के कारण हालत बिगड़ने शुरू हो गए हैं। आईएमडी के मुताबिक हवा की दिशा पूर्व से पश्चिमी हो गई है, लेकिन गति कम बनी हुई है। रात के समय हवा लगभग धीमी बनी हुई है और दिन के समय इसकी गति केवल 5-7 किमी प्रति घंटे तक ही रहती है। दिल्ली में अगले चार दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन का तापमान 32झ34 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 19झ 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सुबह के समय हल्का कोहरा छा सकता है, लेकिन आसमान साफ बना रहेगा। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में प्रदूषण बढ़ने का अनुमान जताया है। दिल्ली में अगले चार दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन का तापमान 32झ 34 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 19झ21 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

महापर्व से पहले चौसा के सभी घाट होंगे चकाचक

- जोर-शोर से चल रही तैयारियां, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर चौसा नगर पंचायत और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। गुरुवार को नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी, चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव और थानाध्यक्ष

शंभु भगत शामिल थे। तीनों अधिकारियों ने चौसा बाजार घाट, मल्लाह टोली घाट, पांडे घाट, रानी घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों की

तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित विभागीय कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने बताया कि महापर्व से पहले नगर पंचायत के सभी छठ घाटों को सुविधाओं से परिपूर्ण कर दिया जाएगा, ताकि व्रतियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, मिट्टी समतलीकरण, पेयजल आपूर्ति, चेंजिंग रूम और रास्तों की सफाई जैसे कार्य शुक्रवार तक पूर्ण कर लिए जाएंगे। साथ ही संबंधित कर्मियों को समयसीमा के भीतर सभी कार्यों को समाप्त करने का सख्त निर्देश दिया गया है।

वहीं मुख्य पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि छठ महापर्व के सफल आयोजन के लिए नगर पंचायत प्रशासन पूरी तरह कटिबद्ध है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी शौचालय, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता कर्मियों की तैनाती और चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का प्रयास है कि श्रद्धालु और व्रती पूर्ण श्रद्धा एवं सहज वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें। पुलिस प्रशासन छठ पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह तैयार रहेंगी। वही, चौसा बाजार घाट पर सामाजिक संस्था द्वारा घाट से मिट्टी कटवा रास्ता बनाया। जबकि नपं द्वारा बताया गया कि सभी दलदल वाले घाटों पर सैंड बैग डाला जाएगा।

निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत कर्मी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सफल बनाने का संकल्प लिया।

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचन तैयारियों की प्रेक्षक ने की समीक्षा

हर मतदाता तक पहुंचे लोकतंत्र का संदेश : सामान्य प्रेक्षक

- सामान्य प्रेक्षक एन. के. गुंडे (आईएएस) ने दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों को लेकर गुरूवार को डुमरांव विधानसभा क्षेत्र (200) में सामान्य प्रेक्षक (आईएएस) एन. के. गुंडे द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय, डुमरांव में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्वाचन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी (आरओ-कम-एसडीओ) राकेश कुमार सिंह, विभिन्न नोडल अधिकारी (प्रशिक्षण, सामग्री प्रबंधन, आदर्श आचार संहिता, मतदाता जागरूकता, सुरक्षा) सहित पुलिस अधिकारी एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेक्षक गुंडे ने मतदान केंद्रों पर

आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली, छायादार व्यवस्था, रैम्प और बैठने की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि दिव्यांग मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिला मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र तक पहुंच सुगम बनाई जाए। कोई भी मतदाता असुविधा का सामना न करे, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

आचार संहिता उल्लंघन पर होगी त्वरित कार्रवाई

प्रेक्षक ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने उड़नदस्ता दल (फ्लाइंग स्क्वॉड टीम) और स्थिर निगरानी दल (स्टैटिक सर्विलांस टीम) को 24 घंटे सतर्क रहने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखने और सार्वजनिक शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

संवेदनशील बूथों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था

बैठक में सामान्य प्रेक्षक ने सुरक्षा तैयारियों की भी समीक्षा की।

प्रेक्षक ने संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान कर वहां पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने संयुक्त गश्ती (कॉम्बाइंड पेट्रोलिंग) और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की तैनाती योजना पर चर्चा करते हुए कहा कि मतदान दिवस पर कानून-व्यवस्था पूर्णतः नियंत्रण में रहे। मतदान दिवस लोकतंत्र का पर्व है, इसे भयमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मतदाता जागरूकता अभियानों को मिले और गति

प्रेक्षक ने स्वीप (मतदाता जागरूकता कार्यक्रम) के तहत चल रही गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत और नगर वार्ड में युवा, महिलाएं और प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं तक पहुंच बनाते हुए जागरूकता के अभियान को और प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ẖहर वोट महत्वपूर्ण हैẖ का संदेश नुक्कड़ नाटक, रैली, पोस्टर और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाए।

ईवीएम सुरक्षा, प्रशिक्षण और वेबकास्टिंग की तैयारी पर चर्चा

प्रेक्षक गुंडे ने निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सामग्री प्रेषण केंद्र (डिस्पैच सेंटर) की तैयारी, ईवीएम-वीवीपैट सुरक्षा, वेबकास्टिंग प्रणाली, स्ट्रॉन्ग रूम प्रबंधन, संचार व परिवहन योजना आदि की बिंदुवार समीक्षा की।

उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

निष्पक्षता, पारदर्शिता और सजगता हो प्राथमिकता

बैठक के अंत में प्रेक्षक श्रीमती गुंडे ने कहा कि निर्वाचन कार्य लोकतंत्र का सबसे पवित्र और जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व है। प्रत्येक अधिकारी को निष्पक्षता, पारदर्शिता और सजगता के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

गरीबी नहीं बनेगी आस्था में बाधा, छठ पूजा सेवा समिति उठाएगी पूरा खर्च

केटी न्यूज/केसठ।

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जहां पूरे क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर हैं, वहीं निर्धन और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए छठ पूजा सेवा समिति, प्रखंड परिसर पोखरा ने एक सराहनीय पहल की है। समिति ने घोषणा की है कि ऐसे परिवार जो छठ पूजा करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक अभाव के कारण सामग्री की व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं, उनके पूरे खर्च की जिम्मेदारी समिति उठाएगी। समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि क्षेत्र के हर व्यक्ति को भगवान भास्कर की उपासना का अवसर मिलना चाहिए, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। उन्होंने कहा कि छठ सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि जन-जन की आस्था का उत्सव है। अगर कोई परिवार मन से पूजा करना चाहता है, तो उसके आड़े गरीबी नहीं आएगी। समिति ऐसे सभी परिवारों को आवश्यक सामग्री फल, पूजन सामग्री, सूप-दौरा, वस्त्र आदि निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। समिति के इस निर्णय से क्षेत्र के गरीब व जरूरतमंद परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कई लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे समाज में आपसी सहयोग और धार्मिक एकता की भावना और मजबूत होगी। अध्यक्ष ने लोगों से अपील की है कि ऐसे परिवार जिनके पास साधन नहीं हैं, वे समिति से संपर्क करें ताकि किसी की आस्था अधूरी न रह जाए।

छठ पूजा की तैयारी में जुटे श्रद्धालु, प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर काम जोरों पर

केटी न्यूज/केसठ

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर हैं। श्रद्धालु भगवान भास्कर की आराधना के इस पावन पर्व के लिए घाटों की सफाई और सजावट में जुट गए हैं। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राचीन तालाब, नया बाजार के समीप स्थित राजवाहा नहर तथा मिठाइयां पुल के पास वाले घाटों पर लोगों ने घाट निर्माण और वेदी बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। ग्रामीणों, युवाओं और श्रद्धालु महिलाओं द्वारा मिलजुलकर मिट्टी समतल की जा रही है तथा जलाशयों की सफाई कर उन्हें पूजा योग्य बनाया जा रहा है। प्रखंड प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई के लिए कर्मियों को लगाया जा रहा है ताकि

श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। वहीं, लोग सूर्योपासना के इस महापर्व को लेकर उत्साह से भरपूर देखा जा रहा हैं। जगह-जगह छठ गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है और पूरा क्षेत्र भक्ति के माहौल में डूबा हुआ है। छठ पूजा सेवा समिति प्रखंड परिसर पोखरा के अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि घाटों की सजावट और व्यवस्था को अंतिम रूप देने की तैयारी की जा रही है। महिलाएं व्रत की सामग्री जुटाने में लगी हैं, जबकि पुरुष घाटों की व्यवस्था संभाल रहे हैं। छठ का उत्सव पूरे क्षेत्र में उमंग और श्रद्धा का वातावरण लेकर आया है।

छठ घाट की सफाई में नगर परिषद ने झोकी अपनी ताकत, भीतरी और बाहरी भाग हुआ क्लीन

- गहरे पानी को चिन्हित कर बांस-बल्ला लगाकर लाल रस्सी से किया घेराबंदी

केटी न्यूज/डुमरांव

छठ घाटों की सफाई और सुव्यवस्थित करने में नगर परिषद ने झोकी अपनी ताकत। नाव के सहारे जहां गहरे पानी की सफाई किया जा रहा है, वही घाटों के उपरी भागों को समतल करते हुए, तलाब में उतर स्नान और अर्घ्य देने के लिये सुरक्षात्मक सीढ़ी का निर्माण कराया जा रहा है। हो रहे कार्यों का निरीक्षण करने के लिये ईओ राहुलधर दूबे, कार्यवाहक सभापति विकास कुमार के साथ ही सिटी प्रबंधक स्वाती सिन्हा और स्वच्छता पदाधिकारी घाटों का निरीक्षण किया। इनलोगों के द्वारा सबसे ज्यादा विस्तारित क्षेत्रों ध्यान केन्द्रित किया, क्योंकि जिस

भैंसही नदी के भांगड़ में छठ पूजा होता है, पानी से सभी घाट डूब चुके हैं। ऐसे में इसका विकल्प केवल खेत ही बचे हुए हैं, ऐसे में ब्रतियों और परिवार को कोई परेशानी नहीं हो इस विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यवाहक सभापति ने बताया की घाट पर जाने और आने में ब्रतियों और उनके परिवार की जो भी परेशानी है, उसे चिन्हित कर लिया गया है और उसके सुधार का काम शुरू कर दिया गया है। फिर नगर का छठिया पोखरा का छठ घाट जहां नगर ही नहीं राज्य के विभिन्न जिलों के साथ झारखंड और बंगाल के लोग भी छठ पूजा करने के लिये पहुंचते हैं, इसलिये यहां के घाटों की सफाई और भीतरी भाग को नाव के सहारे किया जा रहा है। साथ ही अन्य स्थानों पर भी बने सिढ़ियां जो टूटे हुए थे, उसे ठीक करा दिया गया है। इतना ही नहीं नाव के सहारे गहरे पानी की मापी करते हुए, लाल सुरक्षाघेरा बनाया जा रहा है। चारो घाटों पर इस तरह की व्यवस्था की गई है। घाटों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल के जवान मौजूद रहेंगे। साथ ही छठ पूजा के दिन नाव से इसकी निगरानी गोताखोर के साथ होती रहेगी।

बैलगाड़ी से सोशल मीडिया तक, बदल गया चुनाव प्रचार का तरीका

- 1980 के दशक में मानवीय जुड़ाव पर आधारित था चुनाव प्रचार, अब राजनीति में छवि निर्माण बन चुका है उद्योग

केटी न्यूज/डुमरांव

वक्त के साथ राजनीति के रंग, रूप और रवैये में बहुत कुछ बदलाव आया है। कभी बैलगाड़ी और रिक्शा पर लाउडस्पीकर लगाकर पूरे गांव और कस्बों में घूम-घूमकर प्रचार किया जाता था। पंपलेट्स और दीवारों पर हाथ से लिखे नारे लोगों को आकर्षित करते थे, लेकिन आज का चुनाव प्रचार मोबाइल स्क्रीन, सोशल मीडिया पोस्ट और डिजिटल कैंपेन के साथ लग्जरी वाहनों तक सिमट गया है। प्रचार की यह यात्रा सादगी से भव्यता तक का रूप ले चुकी है।

75 वर्षीय बुजुर्ग लालबिहारी याद करते हुए बताते हैं कि वर्ष 1980 के दशक में चुनाव प्रचार पूरी तरह मानवीय जुड़ाव पर आधारित था। बैलगाड़ी और रिक्शा से प्रचार होता था। उस पर लाउडस्पीकर लगा होता था, और हैंड पंपलेट ब्लैक एंड व्हाइट में छपते थे। लोग गलियों में घूमकर पोस्टर बांटते थे और सभा में गांव के बुजुर्गों की उपस्थिति जरूरी मानी जाती थी। उस दौर में नेताओं की सादगी ही उनकी पहचान होती थी, न कि उनके पास कितनी गाड़ियां हैं या कितने फॉलोअर्स सोशल मीडिया पर हैं। पहले नेताओं में ईमानदारी और स्पष्टवादिता ज्यादा थी। वे जनता के बीच ही रहते थे। ट्रेन या बस से सफर करते, किसी कार्यकर्ता के घर रात गुजारते और वहीं का खाना खाते थे। उस समय समाज में नेताओं की बहुत इज्जत थी। लेकिन, अब दृश्य पूरी तरह बदल चुका है। आज के नेता बड़े-बड़े होटलों में रुकते हैं, वहीं से काफिला निकलता है। चमचमाती गाड़ियों के काफिले और सोशल मीडिया की लाइव रैली अब प्रचार का नया चेहरा हैं। जनता के बीच सीधी बातचीत अब दुर्लभ हो गई है।

कार्यकर्ता भी अब इमेज के पीछे

राजनीति में अब छवि निर्माण एक नया उद्योग बन चुका है। किसी उम्मीदवार की लोकप्रियता का अंदाजा उसके कार्यों से नहीं बल्कि उसके सोशल मीडिया रीच से लगाया जाने लगा है। गांवों में अब रिक्शे पर लगे लाउडस्पीकर की जगह मोबाइल फोन का स्पीकर ले चुका है। चुनावी गीत अब यू-ट्यूब और रील्स पर चल रहे हैं। राजनीतिक कार्यकर्ता भी अब उन्हीं नेताओं के पीछे चलते हैं जिनके पास साधन, संसाधन और ह्यशो ऑफह्न की ताकत है। अब सादगी वाले नेता को मतदाता भी बहुत तवज्जो नहीं देते। चमचमाती गाड़ियों से निकलने वाले नेता को ही लोग प्रभावशाली मानते हैं। पहले लोग समाज सुधार और जनसेवा के लिए राजनीति में आते थे, अब राजनीति को करियर और बिजनेस के रूप में देखा जा रहा है। बुजुर्गों के अनुसार उस समय प्रचार बैलगाड़ी, जीप या एम्बेसडर से होता था, लेकिन अब हेलीकॉप्टर, ड्रोन और डिजिटल कैंपेन का जमाना है।

प्रचार का बदलता स्वरूप और प्रभाव

पहले के दौर में चुनाव प्रचार सामूहिक भावना का प्रतीक होता था। लोग घर-घर जाकर वोट मांगते थे। जनसभाओं में गायक पारंपरिक ढंग से लोकगीतों के माध्यम से प्रचार करते थे। महिलाएं भी घरों की छतों से झांककर लाउडस्पीकर सुनतीं और तय करतीं कि किसे वोट देना है। आज वही चुनाव प्रचार व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक पोस्ट, इंस्टाग्राम रील और यूट्यूब वीडियो तक सीमित हो गया है। अब हर मतदाता के मोबाइल पर पोल मैसेज पहुंचता है। राजनीतिक पार्टियां डिजिटल विज्ञापन के जरिए मतदाताओं की सोच को प्रभावित करने का प्रयास करती हैं। चुनावी पोस्टर अब केवल दीवारों पर नहीं बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर दिखते हैं। प्रचार वाहन की जगह अब लाइव स्ट्रीमिंग वैन आ गई है।

एनडीए सरकार में औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रहा है बिहार : राहुल सिंह

- एनडीए प्रत्याशी ने जनता एग्रीमेंट पदयात्रा निकालने वाले रवि उज्ज्वल कुशवाहा के साथ किया संयुक्त प्रेस वार्ता
- नेता द्वय ने कहा कि जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र में होगी एनडीए की जीत, बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकार

केटी न्यूज/बक्सर

एनडीए की सरकार में बिहार तेजी से औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रहा है। डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के नावानगर में इसकी शुरूआत हो चुकी है। यदि मुझे मौका मिला तो डुमरांव के पुराने औद्योगिक गौरव को पांच साल के अंदर लौटाने का काम करूंगा तथा यहां के स्थानीय नौजवानों को रोजगार दिलाउंगा। उक्त बातें गुरूवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह ने कही।

वे चुनाव से पूर्व डुमरांव विस क्षेत्र में जनता एग्रीमेंट पदयात्रा निकाल सुर्खियां बटोरने व वाहवाही लूटने वाले जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा के साथ संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर रहे थे।

एनडीए प्रत्याशी ने कहा कि यहां उद्योग का विकास तभी संभव है, जब इनवेस्टमेंट का माहौल बने तथा निजी क्षेत्र की कंपनियों को सुरक्षा मिले। यह एनडीए के सरकार में ही संभव है।

उन्होंने डुमरांव के निवर्तमान विधायक पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कार्य किए है, लेकिन स्थानीय विधायक सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के बजाय उसे रोकने का काम किए है, जिस कारण डुमरांव का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है।

मलई बराज परियोजना के शीघ्र निर्माण का दिया आश्वासन

राहुल सिंह ने कहा कि डुमरांव विस क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होने वाली मलई बराज परियोजना को पूरा होने में स्थानीय विधायक ने रूकावट डाली है। उन्होंने स्थानीय विधायक पर कमीशनखोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि विधायक इमानदारी से चाहे रहते तो मलई बराज का निर्माण कार्य पूरा हो जाता, जिसका लाभ किसानों को मिलता। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि का ध्यान कमीशनखोरी पर होगा तो विकास कैसे होगा।

उन्होंने कहा कि यदि जनता ने मौका दिया तो बहुत जल्द मलई बराज योजना का निर्माण कार्य पूरा करा दूंगा। वहीं उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को गिनवाते हुए कहा कि पंचायत स्तर से लेकर अनुमंडल स्तर तक विकास की गंगा बहाना, शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़क, नाली, गली का निर्माण कराया जाएगा।

रवि उज्ज्वल द्वारा किए गए एग्रीमेंट को पूरा करूंगा

प्रेस वार्ता के दौरान एनडीए प्रत्याशी ने रवि उज्ज्वल को युवा तुर्क बताया और कहा कि रवि उज्ज्व का प्रयास सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा कि रवि पिछले सात-आठ साल से क्षेत्र में पदयात्रा कर जनता की समस्याओं को सुन रहे थे तथा उनके समाधान के लिए स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट कर रहे थे।

ये अपने जनता एग्रीमेंट पदयात्रा के दौरान जिन जगहों पर जनता की समस्याओं के समाधान का एग्रीमेंट किए है, उसे प्राथमिकता से पूरा करूंगा। उन्होंने कहा कि न सिर्फ रवि उज्ज्वल बल्कि एनडीए के सभी कार्यकताओं के सम्मान का ख्याल रखूंगा।

विधायक आवास के पास की समस्याओं का भी किया हूं एग्रीमेंट -रवि उज्ज्वल

दूसरी तरफ जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डुमरांव के निवर्तमान विधायक पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैने डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के सभी 32 पंचायतों व डुमरांव नगर परिषद के सभी 35 वार्डों में पदयात्रा किया है। इस कड़ी में डुमरांव में विधायक के आवास के 100-200 मीटर के दायरे की समस्याओं को भी स्थानीय लोगों ने मेरे समक्ष रखा था, जिसके समाधान का मैने एग्रीमेंट किया है। यह डुमरांव विधायक के कार्यों का प्रमाण है।

रवि उज्ज्वल ने कहा कि कुशवाहा समाज एनडीए के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि टिकट नहीं मिलने से मैं निराश नहीं हूं, राहुल सिंह के पास विजन है तथा ये मेरे द्वारा चयनित समस्याओं के समाधान के साथ ही डुमरांव विधानसभा क्षेत्र को पूरे बिहार का मॉडल विस क्षेत्र बनाने की सोंच रखते है। उन्होंने कहा कि वे राहुल सिंह की जीत की गारंटी देते है तथा इस बार के चुनाव में बक्सर की सभी सीटो के साथ ही बिहार में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है।

एक नजर

नया भोजपुर में दो तस्कर व छह शराबी समेत आठ गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव से देशी शराब के साथ दो तस्करों तथा शराब में नशे में झूमते छह शराबियों समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।

थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर नया भोजपुर निवासी लूटन यादव पिता रामावतार यादव तथा रौशन यादव पिता अवध यादव को 80 लीटर देशी शराब के साथ बुधवार की शाम पकड़ा गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

वहीं, दूसरी तरफ नया भोजपुर गांव से ही शराब के नशे में झूमते हुए राधा मोहन यादव, सनी कुमार पांडेय, विनोद कुमार यादव, अवधेश कुमार गोंड, धनजी यादव व संतोष कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि इनकी गिरफ्तारी भी बुधवार की देर शाम नया भोजपुर के अलग-अलग जगहों से की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस विशेष अभियान चला रही है। यह गिरफ्तारी उसी का परिणाम है। दूसरी तरफ पुलिस की इस कार्रवाई से उपद्रवी तत्वों, अपराधियों तथा तस्करों के साथ ही नशेड़ियों में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन में वाहन जब्त

डुमरांव। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में स्थानीय पुलिस ने एक चारपहिया वाहन को जब्त किया है। वहीं, डुमरांव सीओ सह मजिस्टेज्ट कुमार दिनेश ने इस मामले में वाहन मालिक सह चालक पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में एफआईआर दर्ज किया गया है।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इस संबंध में बताया कि पुलिस विधि व्यवस्था के संधारण तथा शराब, मादक पदार्थ, रुपए, आग्नेयास्त्र आदि की टोह में विष्णुमंदिर के समीप वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान जदयू का स्टीकर लगा एक स्कार्पियो वहां पहुंची। पुलिस टीम ने जब उसे रोक पूछताछ की तथा परमिशन मांगा तो चालक सह मालिक कोई जबाव नहीं दे सका। इसके बाद वाहन को जब्त कर लिया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। गौरतलब हो कि बुधवार को डुमरांव पुलिस ने एक व्यक्ति के पास से 1.54 लाख रूपए भी बरामद किए थे।

धूमधाम से मनाया गया भाई दूज का पर्व, बहनों ने भाइयों को टीका लगा की लंबी उम्र की कामना

केसठ। प्रखंड में गुरुवार को भैया दूज का पर्व धूम धाम से मनाया गया। इस दौरान बहनों ने भाइयों को टीका लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना ईश्वर से की। इससे पहले बहनों ने अपने अपने घरों में भाई दूज पर होने वाली औपचारिक पूजा अर्चना कर गोधन कुटी। गोधन में गोबर से चौकोर आकृति बनाई गई थी, जिसमें यम लोक के प्राणियों की प्रति मूर्तियां बनाई गई थी।जिसे पूजा अर्चना के बाद उसे कूटा गया। इस दौरान बहनों ने गोधन कूटते वक्त अवरा कुटिला भवरा कुटीला, कुटिला यम के दुआर... कुटिला भईया के दुश्मन, चारू पहर दिन रात... जैसे पारंपरिक गीत गाई। भाई-बहन के अटूट प्रेम का नजारा क्षेत्र केसठ गांव में देखने को मिला। पर्व को ले प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल बना हुआ था। भाई की लंबी उम्र की कामना करते हुए बहनों ने टीका लगाया। इसके बाद भाइयों ने बहनों को उपहार देकर रक्षा का वचन दिया।इस मौके पर भाग्यश्री, सोनी, अनिता, असिता, प्रीती चौधरी, निशी कुमारी सहित दर्जनों युवतियों ने समूह बनाकर सदियों से चल रहे इस परंपरा को निभाया।

देशी कट्टा के साथ एक गिरफ्तार, पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

- मुफस्सिल गुमटी चौकी प्रभारी ने गुप्त सूचना पर की थी छापेमारी, थाना क्षेत्र के दुबौली गांव से मिली सफलता, अपराधिक इतिहास खंगाल रही है पुलिस

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल गुमटी चौकी क्षेत्र के दुबौली गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक व्यक्ति को देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है, जबकि पुलिस उसका अपराधि इतिहास खंगालने में जुट गई है। गिरफ्तार अपराधी की शिनाख्त दुबौली गांव निवासी श्याम नारायण सिंह के रूप में की गई है। छापेमारी चौकी प्रभारी गुड्डु कुमार के नेतृत्व में की गई थी। इस संबंध में मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी दुबौली निवासी श्याम नारायण सिंह, अपने घर में अवैध हथियार रखा है। इस सूचना की तस्दीक के बाद वरीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर चौकी प्रभारी गुड्डु के नेतृत्व में एक टीम गठित कर उसके घर छापेमारी करवाई गई। छापेमारी में उसके घर से देशी कट्टा बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने श्याम नारायण को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले अवैध असलहे की बरामदगी पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उसके पास देशी कट्टा कहां से आया है तथा कट्टा रखने की उसकी क्या मंशा थी, इसकी जांच की जा रही है। वहीं, उसके अपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहा है।

जबकि चौकी प्रभारी ने बताया कि बरामद हथियार के मामले में अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सहयोगी कलाकार पर यूट्यूबर ने लगाए यौन शोषण व आर्थिक हेराफेरी के आरोप

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव में एक महिला यूट्यूबर ने अपने ही सहयोगी कलाकार पर यौन शोषण और कमाई में हेराफेरी का गंभीर आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता पिछले तीन वर्षों से अक्षय कुमार नामक युवक के साथ यूट्यूब पर कॉमेडी वीडियो बनाती थी। इस दौरान दोनों के बीच नजदीकियां इतनी बढ़ीं कि उन्होंने आपस में शादी भी कर ली, जिसकी जानकारी परिवारवालों को नहीं थी।

बाद में जब महिला अपने ससुराल पहुंची तो उसे पता चला कि अक्षय पहले से शादीशुदा है। हालांकि परिवार की आपसी सहमति के बाद दोनों साथ रहने लगे और वीडियो निर्माण का कार्य जारी रखा। बीते कुछ महीनों से यूट्यूब चैनल की कमाई को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। महिला कलाकार ने आरोप लगाया कि अक्षय द्वारा चैनल से होने वाली आय में हेराफेरी की जा रही थी और जब उसने चैनल अपने नाम पर करने की बात कही, तो आरोपी ने इनकार कर दिया।

विवाद बढ़ने पर महिला ने अक्षय कुमार पर छेड़छाड़, मारपीट और यौन शोषण का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया।

जनता में बदलाव की लहर, डुमरांव में इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन

- सभी प्रखंडों में कार्यकर्ता कन्वेंशन, माले प्रत्याशी अजीत सिंह को जिताने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में इण्डिया गठबंधन ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। क्षेत्र के सभी प्रखंडों में आयोजित कार्यकर्ता कन्वेंशन में गठबंधन के प्रमुख दलों के नेताओं और कार्यकताओं ने जोरदार एकजुटता दिखाई। कन्वेंशन में जनता के बीच बढ़ती नाराजगी और सरकार की नीतियों पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बक्सर लोकसभा सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि ह्लडबल इंजन की सरकार से जनता त्रस्त हो चुकी है। बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। जनता अब बदलाव चाहती है, और यह बदलाव इण्डिया गठबंधन लेकर आएगा।ह्व

इसी क्रम में राजद जिला अध्यक्ष शेषनाथ सिंह, भाकपा माले के प्रत्याशी डॉ. अजीत कुमार सिंह, भाकपा माले जिला सचिव नवीन कुमार, सीपीआई जिला सचिव जितेन्द्र सिंह, वीआईपी नेता प्रभुनाथ चौधरी और कांग्रेस नेता आशुतोष त्रिपाठी ने कार्यकताओं को संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि अब समय आ गया है जब जनता अपने मत की ताकत से इस अन्यायपूर्ण शासन को उखाड़ फेंके। कार्यक्रम में शामिल नेताओं ने एक स्वर मंत घोषणा की कि डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से इण्डिया गठबंधन के समर्थन में उतरे भाकपा माले प्रत्याशी डॉ. अजीत कुमार सिंह को भारी मतों से विजयी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह संघर्षशील और जनप्रिय नेता हैं, जो गरीब, किसान और मजदूरों की आवाज को विधानसभा तक पहुंचाएंगे। कन्वेंशन में राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, वीआईपी, सीपीआई और सीपीएम के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर जोश और उत्साह का माहौल देखने लायक था। कार्यकताओं ने झंडे, बैनर और नारेबाजी के जरिए माहौल को पूरी तरह चुनावी रंग में रंग दिया। इस मौके पर सतेंद्र यादव, शारदा यादव, नागेंद्र सिंह, बीरेंद्र मुखिया, रामप्रवेश यादव, मनोज ठाकुर, मुन्ना खां, दिलीप यादव, धर्मेन्द्र यादव, अंकित यदुवंशी, ललन प्रसाद, बीरेंद्र सिंह, हरेंद्र राम, गुड्डू यादव, धर्मदेव सिंह, संतोष भारती, ललन राम, कन्हैया पासवान सहित सैकड़ों स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कन्वेंशन के समापन पर नेताओं ने कहा कि जनता अब परिवर्तन के मूड में है और 2025 में डुमरांव की जनता ह्लडबल इंजन सरकारह्व को जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सुभाषितम्

जीवन में सदैव सुख ही मिले यह बहुत दुर्लभ है।
- महर्षि वाल्मीकि

जनता और मंदिरों में जमा सोना-चांदी पर सरकार की निगाह

भारत सरकार एक बार फिर नई नीति बनाने जा रही है। इस नीति में जनता के पास जमा सोने और चांदी को घोषित कराने की तैयारी सरकार कर रही है। सरकारी अनुमान है, भारतीय घरों, मंदिरों और निजी लॉकरों में करीब 350 लाख किलोग्राम सोना मौजूद है। यह दुनिया का सबसे बड़ा निजी स्वर्ण भंडार है। सरकार का मानना है, अगर यह सोना औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएगा, तो देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी वृद्धि होगी। आर्थिक संकट की स्थिति में यह देश के लिए एक मजबूत सहारा बन सकता है। इसके अलावा वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की एक नई साख सारी दुनिया में बन सकती है। जनता और मंदिरों के पास जो स्वर्ण भंडार है यदि यह भारतीय अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाता है, तो भारत को आसानी से वैश्विक संस्थानों से ऋण भी मिल सकेगा। वैश्विक व्यापार करने में भारत की जो मुद्रा है उसे भी बहुत बड़ी मजबूती मिल सकती है। सवाल यह है, क्या जनता अपने कीमती गहनों और धरोहरों को सरकार के सामने घोषित करने के लिए तैयार होगी? सरकार के पिछले निर्णय और नीतियों और आम जनता के पुराने अनुभव कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। नोटबंदी का अनुभव जनता के लिए कोई अच्छा नहीं रहा। नोटबंदी के बाद हुई परेशानी और जीएसटी के बाद जिस तरह से लोगों के ऊपर टैक्स का बोझ बढ़ा है उसने वर्तमान सरकार को जनता के बीच अलोकप्रिय बनाया है। 2015 में शुरू की गई गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना पर भी जनता ने सरकार के ऊपर भरोसा नहीं जताया। वजह साफ थी, लोगों को डर था, कहीं सरकार उनकी निजी संपत्ति, जो वह सबसे कठिन समय के लिए एकत्रित करके रखता है। शादी विवाह और अन्य अवसर पर परिवार के सदस्यों के लिए एक सुरक्षा का कवच तैयार करता है। उस पर कहीं सरकार का नियंत्रण न हो जाए, भविष्य में सरकार टैक्स और जांच के नदि नियम बना देगी तो उसका अपने सबसे कठिन समय का जो सुरक्षा कवच है वह खत्म हो जाएगा। भारत में सोना केवल एक धातु नहीं, वरन आस्था, परंपरा और सुरक्षा का सबसे बड़ा विश्वसनीय प्रतीक है। दिन हो या रात कभी भी सोने या चांदी के माध्यम से वह विषम परिस्थितियों में भी सोने चांदी को रक्षा कवच मानता है। गांवों और छोटे कस्बों में आज भी सोने में निवेश इन्वेस्टमेंट से ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। जब बैंक डूबते हैं, बैंकों की और सरकार की नीतियां बदलती हैं, तब यही सोना एवं चांदी आम परिवार की आर्थिक रीढ़ बनता है। आम जनता सोने और चांदी को परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए पृथक तरीके से निवेश करते हुए उन्हें अपने जीवन में आत्म विश्वास पैदा करने का काम भी करती है। गरीब हो या मध्यम वर्गीय या अमीर सभी शादी विवाह जन्मदिन और ऐसे अवसर पर उपहार देकर अपने परिवार के सदस्यों को प्रेम सद्भाव और सुरक्षा से जोड़कर रखते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार जो योजना लेकर आना चाहती है, उससे आम लोगों का विश्वास जुड़ेगा, इसमें संदेह है। अगर सरकार सच में जनता से सोनाझचांदी डिक्लेअर कराना चाहती है। उसे सबसे पहले आम जनता योजना पर विश्वास करे, यह कदम उठाना होगा। आम लोगों के मन में पारदर्शिता, सुरक्षा का भरोसा, संवैधानिक एवं कानून का विश्वास मिले बिना कोई भी नागरिक अपने घर में सोने-चांदी के रूप में जो उसने एकत्रित कर रखा है वह उजागर नहीं करेगा। सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा, घोषित की गई संपत्ति का उपयोग कैसे और कहां किया जाएगा। क्या इससे जनता को कोई ब्याज मिलेगा? क्या टैक्स में राहत दी जाएगी? या सरकार घोषित स्वर्ण और चांदी के भंडार पर टैक्स लगाएगी। या यह केवल सरकारी खजाने को भरने और कर्ज लेने की एक नई कवायद है? भारत का यह निजी स्वर्ण भंडार देश की अर्थव्यवस्था के लिए ह्स्लीपिंग कैपिटलह है। भारत के मंदिरों में टनो सोना जमा है।

चिंतन-मनन

भय को पहचानो

बहुत तरह के मानसिक भय हमें चारों तरफ से दबाए हुए हैं।उन्हें हमें पहचान लेना पड़ेगा।उन्हें हम बिना पहचाने छोड़ भी न सकेंगे।जिस भय को हम पहचान लेंगे, वह छूट जाएगा।लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते, नये-नये नाम दे देते हैं।और नाम धोखे के हैं।हम इतनी ज्यादा चालाकी में जिए हैं हजारों वर्षों में कि चीजों पर ठीक-ठीक नाम नहीं रहने दिये। हर डिब्बे पर नाम बदल दिया है। अंदर कुछ और है, ऊपर नाम कुछ और है।इसलिए खोज भी बहुत मुश्किल हो गई है कि कौन सी चीज कहां है। एक आदमी को हम कहते हैं- यह बहुत अच्छा आदमी है। और सौ अच्छे आदमियों में से अठानवे अच्छे आदमी अच्छे नहीं होते।सिर्फ डरे हुए लोग होते हैं और डर की वजह से अच्छे मालूम होते हैं। मैं कहता हूं, मैं कभी चोरी नहीं करता।लेकिन अगर थोड़ी जांच-पड़ताल करूं तो पता चलेगा कि चोरी तो मैं भी करना चाहता हूं, लेकिन भय मुझे रोक लेता है।तब मैं अच्छा आदमी नहीं हूं, भयभीत आदमी हूं।लेकिन हम लेबल बदल देंगे। हमें पता ही नहीं चलता।एक आदमी कहता है, मैं बिल्कुल ईमानदार आदमी हूं। उसे थोड़ी जांच-पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि वह बेईमान है और भयभीत है। यानी बेईमान भय, ईमानदार आदमी हो गया।लेकिन क्या यह ईमानदार की परिभाषा हुई? अगर कल उसे पता चल जाए कि एक दिन के लिए सब कानून उठा लिए गये और सब पुलिसवालों को छुट्टी दे दी गई और एक दिन के लिए कोई अदालत नहीं है, तब उसकी सारी ईमानदारी चली गई।यानी वह अब ईमानदार नहीं है। अच्छा आदमी इसीलिए कमजोर है।अक्सर ऐसा होता है कि अच्छा आदमी कमजोरी की वजह से अच्छा आदमी होता है। और इससे उल्टा भी होता है कि बुरा आदमी अक्सर ताकत की वजह से बुरा हो जाता है।घर में एक बच्चा बिल्कुल गोबर गणेश हो तो मां-बाप कहेंगे-बहुत आज्ञाकारी है और दूसरा थोड़ा शक्तिशाली हो, तो कहेंगे- आज्ञा का उल्लंघन करता है, कहना मानता ही नहीं लेकिन समझना जरूरी है कि गोबर-गणेश होना अच्छा होना नहीं है।

बिहार में विस चुनाव: देश में महागठबंधनों की बढ़ी महिमा

- कांतिलाल मांडोत

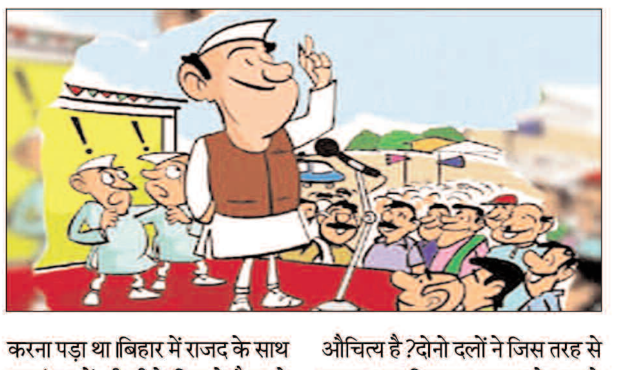

बिहार में विधानसभा चुनाव है। देश की आजादी के बाद कांग्रेस एक ऐसी पार्टी रही थी, जो चुनावो में गठजोड़ नहीं कर अपने दम पर चुनाव लड़ती आ रही थी लेकिन भारतीय लोकतंत्र में 1977 के बाद से पार्टी के प्रभुत्व और कई पार्टियो के महा गठजोड़ के बीच झूलता आ रहा है।पहले कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था तो मई 2014 के बाद से भारतीय जनता पार्टी इस हैसियत में पहुंच गई ।वैसे ,राज्यो में तो गठबंधन का दौर काफी पहले 1967 में ही आ गया था।जब कांग्रेस विधानसभा चुनावों में से आठ में हार गई थी।कांग्रेस का भ्रष्टाचार देश की आजादी के दो वर्ष के बाद शुरू हो गया था।कांग्रेस धीरे धीरे राज्यो से कटती आ रही है।अचानक कांग्रेस का जनाधार खत्म नही हुआ है।जिस तरह से भ्रष्टाचार के दोषियों का नाम अखबार में उजागर होता था,उस दौर में मतदाता कांग्रेस से मुह मोड़ते गए।उतर के साथ राज्य और तमिलनाडु में गठबंधन सरकारों और वैचारिक रूप से व्यापक गठबन्धन का प्रयोग हुआ था।ये तमाम गठबंधन भले नाजुक,अस्थायी और परेशानी वाले रहे हो,मगर इनमें मतदाताओ का व्यापक प्रतिनिधित्व हुआ करता था।कांग्रेस अब हर राज्य में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही है।यूपी में समाजवादी के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था।बिहार में राजद के साथ गठबंधन में भी गीले शिकवे पैदा हो गए है।कांग्रेस की विचारधारा जनता के अनुरूप नही है।कांग्रेस अपने मन की करती है,उसी का नतीजा है कि कांग्रेस की कथनी करनी में समानता नजर नही आती है।बिहार में जनसुराज पार्टी के 116 प्रत्याशियो का ऐलान की सूचना है,वही जातिगत समीकरण को केंद्र बिंदु रखा है।बिहार में धमाका होगा।पीएम मोदी जननायक कपूर्री ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे।नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए है और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओ को जवाबदेही सौंप दी गई है।उधर,कयास लगाया जा रहा है कि महागठबंधन खंड-खंड बंट चुका है।घटक दल अब एक दूसरे के खिलाफ हो चुके है।महागठबंधन नाम का कोई चीज अब शेष नही रहा है।राजद के सुप्रीमो तेजस्वी एक तरफ खींच रहे है तो राहुल दूसरी तरफ खींच रहे है।तब महागठबंधन का क्या औचित्य है?दोनो दलों ने जिस तरह से एकता का दिखावा चुनाव के पहले किया गया था।वो बेनकाब हो चुका है।राजद और कांग्रेस दोनो पार्टियो की दिशा और दशा अलग है।आपसी विश्वास नही पनपा पाए दोनो दल पर मतदाता क्या भरोसा कर पायेगा?सहरसा में पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस अब किसी की खाद नही बनेगी,तेजस्वी पर पप्पू यादव ने जमकर तंज कसा है।ये लड़ने वाले दल के पास सरकार बन जाती है तो विकास के क्या मायने होंगे? 1977 में इंदिरा गांधी की निरंकुश इमरजेंसी और जेपी आंदोलन की परिणीति जनता पार्टी के स्वरूप में एक महागठबंधन में हुई,जिसमे वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव की पार्टियां शामिल थी।क्योंकि ये गठबंधन मजबूरी में बनाये गए थे।चुनाव के बाद जीत की खुशी दोगुनी होती है,लेकिन बीच मे विवाद खड़ा होता है तो मायूस हो जाते है।जनसंघ से लेकर वाममोर्चे तक,जयप्रकाश नारायण कांग्रेस विरोधी विपक्ष के मसीहा बन गए।1977 के इस प्रयोग के आधार पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1989 में राजीव गांधी की सरकार के खिलाफ गठबंधन बनाने का कामचलाऊ प्रयोग किया, जिसमें बीजेपी और वाम मोर्चे को सहयोग के रूप ने शामिल किया गया।अब का दौर अलग है।उसके बाद 1996 में दो अल्पमत संयुक्त मोर्चा सरकारों के प्रयोग हुए।एक एच-डी देवगौड़ा और दूसरा इंद्रकुमार गुजराल के नेतृत्व में सरकार बनी।अब तो देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा भी गठबंधन का तिलिस्म तोड़ने के लिए राजी नही है।एनडीए गठबंधन में आज भी यह नियम है कि भाजपा बहुमत में है तो भी एनडीए घटक दलों को नही छोड़ते है।यह नीति है।यह गठबंधन की अच्छाई का नमूना है।उस दौर में क्षेत्रीय और राज्यो के क्षत्रपों की महत्वकांशाओ का उभार इतना हो चुका था कि चुनावी नजरिए से रास्ट्रीय पार्टियों के लिए उन्हें दल नजरअंदाज करना लगभग नामुमकिन हो गया।लिहाजा, दो प्रमुख रास्ट्रीय गठबन्धनो की नींव पड़ी।जो भारतीय राजनीति की नई हकीकत बन गए।कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपीए गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पिछले कई वर्षो से क्षत्रिय दलों ने इन्ही में से किसी एक के साथ अपनी निष्ठाओं और अपने चुनावी भविष्य को बांध रखा है।कांग्रेस ने मोदी को हराने के लिए सभी घटक दलों से मिलकर इंडिया महागठबंधन बनाया गया।यूपीए के विलय इंडिया महागठबंधन के तौर पर देखा जा रहा है।महागठबंधन में बिहार में राजद शामिल है।इनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है।उमीदवारों की बदली और उमीदवारों को बदलने का दौर बिहार में चालू है।कांग्रेस और राजद के बीच पेंच फसने के बाद सुलझ नही रहा है।लेकिन अब दिवाली के बाद सहमति बनानी ही पड़ेगी।उसी के अनुरूप प्रत्याशियो के लिए चुनाव प्रचार किया जाएगा।पिछले दौर ये गठबंधन नाजुक रहे और कोई भी सरकार में कार्यकाल पूरा करने में कामयाब नही हो पाया।लेकिन 1998 के बाद कार्यकाल पूरा हुआ।2014 में आम चुनाव में नरेंद मोदी के नेतृत्व में भाजपा को बहुमत मिला लेकिन उसने फिर भी एनडीए की छतरी तले बने रहना पसंद किया और जिन राज्यो में वह सता में नही थी,वहां भी उसने एनडीए के नाम से ही चुनाव लड़ा।यह है मोदी पर क्षेत्रीय पार्टियो की निष्ठा और भरोसा।महागठबंधन तो लड़ाई बिना पार ही नही जाता है इस लड़ाई के कारण मतदाता असमंजस की स्थिति में आ जाते है।मतदाता सोचते है कि चुनाव के बाद भी यही रहा तो हम जनता किसके पास जाएगी एनडीए के गढ़ को रोकना अब आसान नही है।बिहार में लालू और नीतीश ने मिलकर महागठबंधन बनाया था और 2015 के बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा को कड़ी पटखनी दे दी।लेकिन उस महागठबंधन ने मात खा ली और नीतीश कुमार को फिर एनडीए की सच्चाई और कर्मनिष्ठा की याद आई।अभी नरेंद्र मोदी लोकप्रिय बने हुए है।राहुल की चुनौती कमजोर पड़ी है।राहुल के पास कोई ठोस मुद्दे नही है,जिससे मोदी और नीतीश की टक्कर ले सके।बेहतरीन कामकाज वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है।इनके नेतृत्व में बिहार में भारी विकास हुआ है।लालू जेपी शिष्य है और नीतीश भी जेपी शिष्य रहे है।लालू ने अपना विजन अलग कर दिया और नीतीश की साख दिन दोगुनी बढ़ती जा रही है।एक की पटरी हिलोरे खा रही है तो एक नैतिकता और ईमानदारी के गुण से बिहार सहित देश मे अपनी पैठ बना चुके है। नीतीश ईमानदार दिग्गज मुख्यमंत्री रहे है।लेकिन राजनौतिक आकस्मिक सम्भावनाओ का खेल है।जिसमे कई सारे आश्चर्य छिपे हुए है। 2004 से पहले सारी पार्टियां बिखरी हुई थी।दूर दूर कोई गठबंधन की सम्भावना नजर नही आती थी। अटल बिहारी के नेतृत्व और उनके शाइनिंग इंडिया अभियान के तहत सफलता सूचक गठबंधन था।दरअसल, सोनिया का कमजोर गठबंधन जोड़ तोड़ करके बनाया गया था।उस समय गठबंधन जीत गया और मनमोहनसिहं के नेतृत्व में वाले यूपीए सरकार ने सत्ता में दो कार्यकाल पूरे किए।

संयुक्त राष्ट्र संघ: वैश्विक सामरिक सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ

- दिलीप कुमार पाठक

आज 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थापना दिवस है, आज के दिन लोगों को जानना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र संघ दुनिया को चलाने में अपनी भूमिका कैसे निभाता है। पूरी दुनिया के मुल्कों में शांति रहे सभी राष्ट्रों पर एक अंकुश रहे कोई मुल्क किसी दूसरे मुल्क पर अत्याचार न करे, कोई किसी राष्ट्र की सीमा पर कब्जा न करे, और पूरी दुनिया में आपसी सहयोग की भावना बढ़े ऐसे उद्देश्यों को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई थी। परंतु आज के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो लगता है जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रभाव कुछ कम हुआ है। लग रहा है जैसे पूरी दुनिया में उसकी पकड़ कमजोर होती जा रही है। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजरायल - फि लीस्तीन युद्ध, अमेरिका की अनावश्यक दादागिरी, चाइना की भूमि विस्तार की नीतियां संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी विफलताओं में गिना जा सकता है। बड़े - बड़े मुल्कों में संयुक्त राष्ट्र संघ के नियम नहीं चलते अमेरिका, रसिया, चाइना आदि मुल्कों के सामने संयुक्त राष्ट्र संघ बिल्कुल लाचार हो जाता है। यही कारण है कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के 78 वर्ष बीत जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एवं उसके बदलते हुए परिदृश्य का अध्ययन करना जरूरी हो गया है।

1941 के अटलांटिक समझौते के तहत राज्यों को समानता और किसी भी प्रकार के शासन को चुनने की क्षमता प्रदान की गई थी। अटलांटिक समझौते के बाद तैयार किए गए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) घोषणापत्र पर 1942 में 26 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। 1944 में डंबर्टन ओक्स में चीन, रूस, अमेरिका और इंग्लैंड द्वारा प्रस्तुत विचारों के आधार पर, जून 1945 में सैन फ्रांसिस्को में 50 देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज पर बातचीत की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई थी। अपनी विभिन्न एजेंसियों की सहायता से, संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय शांति बनाए रखने, सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पर्यावरण की रक्षा करने, मानवीय राहत में सहायता करने और महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए अपने प्रयासों को सिद्ध किया है। समझौते के बाद से, संयुक्त राष्ट्र संघ की सफलताओं के साथ असफलताएँ भी रही हैं, जैसे सैन्य युद्धों को न रोक पाना परिणामस्वरूप लाखों लोग मारे गए, घायल हुए और विस्थापित हुए। शीतयुद्ध के दौरान नाटो-वारसा दोनों गुटों में भयंकर सैनिक प्रतिद्वंद्विता चल रही थी, दोनों ही ओर से व्यापक परमाणु हथियार एकत्रित किए जा रहे थे। दुनिया एक बार फि र बड़े महायुद्ध के मुहाने पर खड़ी थी। ऐसा लगता था कि तीसरा महायुद्ध छिड़ जाएगा और परमाणु हथियारों के प्रयोग से यह इतना विनाशकारी सिद्ध होगा कि सारी दुनिया ही नष्ट हो जाएगी। साम्राज्यवादी देश दुनिया का विनाश करने पर उतारू थे। शीतयुद्ध के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी भूमिका को बखूबी निभा पाया था। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र संघ ने निरस्त्रीकरण तथा विश्वशान्ति की काफी कोशिशें कीं। यही कारण है कि एक बड़े महायुद्ध का खतरा तो टल गया परन्तु छोटे-छोटे युद्ध दुनिया भर में होते रहे और आज भी हो रहे हैं जो किसी महायुद्ध से कम नहीं हैं। दुनिया भर में अगर कोई तीसरा महायुद्ध नहीं हुआ वो इसका महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि महाशक्तियां भी यह जानती हैं कि अगर महायुद्ध छिड़ा तो सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी जिससे वे भी नहीं बचेंगे। व्यापक निरस्त्रीकरण तथा परमाणु हथियारों को समाप्त करने का विमर्श छिड़ा हुआ है, इसके बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ दुनिया दुनिया के अनेक देशों को परमाणु हथियार बनाने से न रोक सका।

सफलता - असफलता किसी के साथ भी जुड़ी हुई होती हैं, परंतु संयुक्त राष्ट्र संघ आज भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह देशों को धन, कार्यक्रम और विशेष एजेंसियों की मदद प्रदान करता है। यूएनडीपी यानि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम 141 देशों को सेवाएँ देता है, जिसका मुख्य लक्ष्य गरीबी उन्मूलन, असमानता और बहिष्कार को कम करना है। यह देशों को नीति निर्माण, संस्थागत क्षमता निर्माण और सतत विकास में मदद करता है। यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) बच्चों के अधिकारों और कल्याण को प्राथमिकता देता है। यह गरीबी, हिंसा, बीमारी और भेदभाव के खिलाफ काम करता है और बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में मदद करता है। संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता पर बहस हो सकती है, लेकिन इसके प्रयासों एवं अभी तक किए गए वैश्विक स्तर पर सकारात्मक सोच को भुलाया नहीं जा सकता।

दुनिया 21वीं सदी में भारी चुनौतियों के साथ प्रवेश कर चुकी है, और संयुक्त राष्ट्र को एक बेहतर और शांतिपूर्ण भविष्य के लिए मौजूद रहना होगा। संयुक्त राष्ट्र के तहत दुनिया अधिक स्थायी रूप से आगे बढ़ सकती है, इसलिए सभी हितधारकों को इस पर भरोसा करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र निरर्थक नहीं है और निकट भविष्य में नहीं होगा, क्योंकि यह महत्वपूर्ण समस्याओं पर लोकतांत्रिक तरीके से विमर्श करता है दुनिया को रास्ता भी दिखाता है। संयुक्त राष्ट्र ने अपने मूल सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को बनाए रखते हुए नए कार्यों को जोड़ा है और सुधार किया है। इसने कई युद्धों को रोका है और मानवीय पीड़ा को कम किया है। यही कारण है कि तमाम विफलताओं के बावजूद भी संयुक्त राष्ट्र संघ पूरी दुनिया के लिए बेहद जरूरी है। सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र संघ को बनाए रखने के लिए साझा प्रयास करना चाहिए।

यह कैसी विडंबना कहीं खुशी, कहीं गम

- नरेंद्र भारती

कैसी विडंबना हैं की कहीं खुशी थी कहीं गम था कहीं खुशियाँ मनाई जा रही थी तो कहीं किसी के घर आँगन में मातम था ' दीपावली पर दीये जल रहे थे कहीं लाशें जल रही थी ' त्यौहार आते हैं लोग इंतजार करते हैं लेकिन घटना दुर्घटना घटित हो जाती हैं घरों के चिराग बुझ रहे हैं गाँव में युवाओं की मोतें हो रही हैं ' संवेंदनहीन समाज के लोगों को कोई सरोकार नहीं है कौन जी रहा कौन मर रहा खुशियाँ मना रहे हैं समाज बहुत बेरहम हो चूका है 'ईश्वर की लीला भी कितनी अजीब है किसी को नसीबवाला बना दिया तो किसी को बदनसीब बना दिया है' भाग्य अपना अपना है ' कर्म अपने अपने हैं ' ईश्वर किसी को रुला रहा है किसी को हँसा रहा है दुनिया में कोई दुखी है तो कोई सुखी है कहीं खुशी है कहीं गम है ' कैसी विडंबना है यह की कहीं खुशी मनाई जाती है कहीं मातम पड़ा होता है ' खुशी में कहीं दीये जल रहे हैं तो कहीं मोमबतियाँ जलाई जा रही हैं कहीं किसी अपने की मौत पर आंसू बह रहे हैं' संवेदनहीनता की हदें लांघी जा रही हैं सरेआम कत्लेआम हो रहे हैं हादसों व दुर्घटना में आदमी सड़क पर तड़फ रहा है लोग हाथ तक नहीं लगाते पास से गुजर जाते हैं बेचारे वहीं दम तोड़ देते हैं'प्रतिवर्ष त्योहार मनाये जाते हैं बेहिसाब पैसा खर्च किया जाता है ' कल दिवाली का त्यौहार मनाया जायेगा लोगों ने पटाखे खरीदे करोड़ों रुपया स्वाहा हो जायेगा चारों तरफ प्रदूषण फैल जायेगा ' कोई पैसे को तरस रहा है कहीं अकूत पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है ' केवल एक ही रात में पैसा राख बन गया ' अमीरों ने हजारों रुपए के पटाखे जला दिए आतिशबाजी से कई घर जल गए कोई घायल हो गया किसी के हाथ जल गए हजारों पक्षी मारे जाते हैं विस्फोट से डर कर बेमौत ही काल के गाल में समा जाते हैं ' दिवाली में मस्त लोगों को इससे क्या मतलब वो तो मदिरा में मशगुल है 'दुनियादारी है दुनिया का दस्तूर है किसी को नहीं पड़ी होती किसी की सब मस्त हैं ' अक्सर देखा गया है की हर साल त्योहार आते ही कई हादसे हो जाते हैं और असमय काल के गाल में समा जाते हैं हादसों में किसी के सिर से बाप का साया उठ जाता है तो किसी का सुहाग उजड़ जाता है बच्चे अनाथ हो जाते हैं अकाल मौतें हो जाती है ' त्यौहार के दिन हुई मौत एक यादगार बन जाती है हर त्यौहार पर अपनों की याद आती है कमी खलती है 'कहीं डीजे बजता है तो कहीं मातम छा जाता है ' समाज के लोग मस्त हैं मस्ती में झूम रहे हैं मदिरापान हो रहा है डांस हो रहा है ' कौन जी रहा कौन मर रहा कोई सरोकार नहीं है ' व्हाट्सप्प व फेसबुक व इंस्टाग्राम पर व्यस्त हैं ' मजदूर मजदूरी कर रहे हैं उन्हें त्यौहार में कोई दिलचस्पी नहीं है पापी पेट के लिए कमरतोड़ मेहनत कर रहे हैं ताकि परिवार भूखा न रहे ' अमीरों के घर पकवान बन रहे हैं कहीं पनीर बन रहा तो कहीं चिकन बन रहा है ' अमीर लोग लाखों रूपया खर्च कर रहे हैं गरीब दो वक़्त की रोटी को तरस रहे हैं ' आधुनिक समाज संवेदनहीन हो चूका हैं संवेदनायें मर चुकी हैं ' कोई किसी का नहीं है लोग अनावश्यक व्यस्त हैं ' समाज बेरहम हो गया है लोग पथरदिल होते जा रहे हैं 'इंसानियत मर चुकी है ' गरीब भूखे मर रहे हैं कुत्ते बिस्कुट खा रहे हैं ' अमीर लोग कुत्तों पर हजारों रुपया खर्च कर देते हैं लेकिन किसी गरीब के लिए एक रोटी नहीं दे सकते' यह प्रलय की आहट है '

आज का राशिफल

मेष संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इससे जुड़ी कोई बात छिपाने की स्थिति बन सकती है।

तुला आज तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनता दिख रहा है। धन खर्च की आज संभावना भी दिख रही है।

वृषभ साथी और सहयोगियों की मदद मिलेगी। हालांकि, उन पर पूरी तरह से निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है।

वृश्चिक फिलहाल ज्यादा दबाव नहीं दिख रहा है छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने का आज मौका मिलेगा।

मिथुन आपके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। करियर में बदलाव की आपकी कोशिश सफल नहीं होंगी।

धनु आज परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता सकती है।

कर्क आज नए अवसर लेकर आ रहा है। किसी नए प्रोजेक्ट में आपकी रुचि बढ़ सकती है।

मकर आज जातकों दिन अच्छा रहने वाला है। शारीरिक थकान और अस्वस्थता में कमी आएगी।

सिंह आज दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज सैर-सपाटे की योजना बना सकते हैं।

कुंभ आज जातकों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपके कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा।

कन्या व्यवस्था करनी हो या जरूरी वस्तु की खरीदारी, सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

मीन आज आज का दिन थोड़ा सुस्त रहने वाला है। इस दौरान आपका मूड कुछ उदास रह सकता है।

विशेष

गुजरात सरकार के सभी मंत्रियों का इस्तीफा

विधानसभा चुनाव के कुछ समय पहले गुजरात के अधिकांश मंत्रियों और विधायकों को बदल दिया जाता है। यह टोटका भाजपा के लिए बड़ा मुफीद साबित होता है। पिछले कई चुनाव में यह टोटका आजमाया जा चुका है। इस बार भी जब गुजरात के मुख्यमंत्री महाराष्ट्र में थे। सभी मंत्रियों के इस्तीफा ले लिए गए। नए मंत्रिमंडल के गठन में पुराने मंत्रिमंडल में से केवल 8 मंत्री लिए गए हैं। बाकी सभी नए मंत्रियों को शामिल किया गया है। इसमें सफलता की 100 फीसदी गारंटी होती है। विधायक मंत्री बनो, कमाई करो, पेंशन लो ओर सीट खाली करो। विधायक और मंत्रियों की सारी बुराइयां आम जनता की वाशिंग मशीन में धुल जाती हैं। जनता की नाराजी खत्म हो जाती है।

डाकू के घर से 20 करोड़ से अधिक की लूट

पंजाब के डीआईजी को 50,0000 की रिश्वत लेते हुए सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। जब उसके घर की तलाशी ली गई। लगभग 7 करोड रुपए नगद जप्त किए गए। ढाई करोड़ का सोना जप्त किया गया। इसके अलावा जमीनों, गाड़ियों घड़ी तथा आभूषण इत्यादि में करोड़ों रुपए की निवेश के सबूत मिले हैं। मशीन गिनने के लिए कई दिन तक कई मशीन लगाकर रखनी पडी। जिस भी सरकारी अधिकारी के यहां पर छापा पड़ता है। 25-50 करोड रुपए से कम की संपत्ति मिलती है। 5 से 10 करोड़ की संपत्ति तो बाबुओं के यहां मिल जाती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1577: सिख गुरू रामदास ने अमृतसर शहर की स्थापना की। 1579: भारत आनेवाले पहले अंग्रेज एस.जे.थामस गोवा पहुंचे। 1651: जहांगीर गद्दी पर बैठे। 1851: कोलकाता और डायमंड हार्बर के बीच पहली बार सेवा शुरू हुई। 1929: न्यूयार्क शेयर बाजार में शेयरों के भाव औंधे मुंह गिरे। 1944: द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी युद्धपोत मुसाशी को अमरीका ने डूबो दिया। 1945: संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र प्रभावी हुआ। 1945: नार्वे के प्रधानमंत्री विदकुक क्विजलिंग राजद्रोह के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया। 1964: उत्तरी रोडेशिया जाम्बिया के रूप में स्वतंत्र हुआ।1975: बंधुवा मजदूर प्रथा समाप्त करने के लिए अध्यादेश जारी हुआ। 1984: कोलकाता में मेट्रो रेल सेवा शुरू हुई थी। 1997: सिएरा लियोन के सैनिक शासकों ने इस्तीफे की पेशकश की।

दैनिक पंचांग

24 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.50 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	10.06 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	12.11 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.58 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.30 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	17.01 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.53 बजे से
		सिंह	01.09 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	03.21 बजे से
		तुला	05.31 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 297 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 01.20 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा अहोरात्र।
योग सौभाग्य 05.55 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.04 बजे तदनन्तर गर 01.20 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 46'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872507
जूलियन दिन 2460972.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 01

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बाइक की टक्कर से महिला सहित दो युवकों की मौत, दो घायल

दुमका, एजेंसी। जिला के दो विभिन्न थाना क्षेत्र में महिला सहित दो लोगों की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई। हादसे में दो बाईक सवार घायल हो गये। पहली घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र गुहियाजोरी के पास मंगलवार की शाम बाइक की टक्कर से 36 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गये।

दोनों घायलों को इलाज के लिए पीजेएमसी, दुमका में भर्ती कराया गया है। मृतक विनोद भंडारी की पहचान मकरो गांव के निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक गुहियाजोरी में घर बनाकर रह रहा था। शाम को वह मकरो हटिया से पैदल घर लौट रहा था। इसी क्रम में गुहियाजोरी के पास सामने से आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर होने के बाद बाइक सवार दोनों युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां विनोद भंडारी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि बाइक को जब्त कर लिया गया है। घायल बजरंग राय काठीकुंड के पिपरा गांव का रहने वाला है। वहीं उसके साथी का नाम पता नहीं चल पाया है। उसकी भी हालत नाजुक बताई जा रही है।

जिला के जामा थाना क्षेत्र के बारापलासी के पास दीपावली के लिए पूजा की सामग्री लेने जा रही 51 वर्षीय महिला को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। महिला को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला फूलमनी देवी, बारापलासी की रहने वाली थी।

मंगलवार को जामा थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। बारापलासी निवासी मृतक के बड़े बेटे फूलचंद्र राय ने बताया कि घर में दीपावली को लेकर तैयारी चल रही थी। पूजा का कुछ सामान लेने के लिए मां चौक की ओर चली गई और वह पटाखा लेने के लिए पालोजोरी गया था।

रात करीब 10 बजे लौटा तो घर में मां को नहीं देखकर छोटे भाई से पूछा। भाई ने बताया कि मां जब से निकली है, तब से वापस नहीं आई है। खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। सुबह गांव के सुभाष राय ने फोन कर बताया कि मां का सड़क दुर्घटना हो गया है और सीधे जामा थाना आ जाओ। वहां जाकर देखा तो मां का शव रखा हुआ था। पुलिस ने बताया कि कोई अज्ञात वाहन ठोकर मारकर भाग गया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

त्योहारों में यात्रियों की सुविधा के लिए कई विशेष ट्रेनें हुईं शुरू

पूर्वी सिंहभूम,, एजेंसी। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल ने प्रमुख स्टेशनों में टाटानगर, राउरकेला और झारसुगुड़ा पर भीड़ नियंत्रण और संचालन संबंधी कई प्रभावी रणनीतियां लागू की हैं।

मंगलवार को रेल प्रशासन ने बताया कि इस वर्ष देशभर में 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत भी कई विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनमें 08183/08184 टाटा-बक्सर-टाटा साप्ताहिक दिवाली, छठ विशेष ट्रेन प्रमुख है। इसके अलावा मंडल से होकर गुजरने वाली 12 जोड़ी दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा विशेष ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं, ताकि यात्रियों को यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए चक्रधरपुर मंडल ने 13 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक नियंत्रण भवन में सातों दिन 24 घंटे वार रूम की स्थापना की है, जिसे वाणिज्य, सुरक्षा और यांत्रिक विभागों के वरिष्ठ कर्मी संचालित कर रहे हैं। वहीं, टाटानगर, राउरकेला और झारसुगुड़ा स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ और गतिविधियों की निगरानी सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से वास्तविक समय में की जा रही है।

यात्रियों की सुविधा के लिए टाटानगर स्टेशन पर नया यात्री विश्राम क्षेत्र बनाया गया है, जिसमें एक साथ 200 से अधिक यात्री ठहर सकते हैं। इस विश्राम क्षेत्र में यात्री उद्घोषणा प्रणाली, ट्रेन आगमन-प्रस्थान की जानकारी के लिए एलईडी डिस्प्ले, पीने के पानी की सुविधा, पर्याप्त रोशनी, पंखे और बैठने की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

इसके साथ ही प्रमुख स्टेशनों पर पूरी तरह कार्यशील पूछताछ काउंटर, टिकट जांच कर्मचारियों की रणनीतिक तैनाती, अनारक्षित कोच में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली और प्लेटफॉर्म पर सक्रिय जांच जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। टिकट बुकिंग की प्रक्रिया को भी अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए सभी एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) को चालू किया गया है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बुकिंग काउंटर खोले जाने की व्यवस्था की गई है।

रांची में गैंगस्टर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई: महिला समेत पांच गिरफ्तार, तीन पाकिस्तानी पिस्तौल बरामद

रांची, एजेंसी। रांची में बुधवार को पुलिस ने एक महिला समेत पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से तीन पाकिस्तान निर्मित पिस्तौलें बरामद कीं। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बिट मेसरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चुटू ओवरब्रिज के पास से चार पुरुष अपराधियों को और आर्गोरा थाना क्षेत्र से एक महिला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कोयलांचल शांति सेना (केएसएस) गिरोह के सदस्यों के रूप में की गई है। ये सभी प्रिंस खान गिरोह से भी जुड़े हुए हैं।

गिरफ्तार महिला की पहचान केएसएस गिरोह के सरगना सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन पाकिस्तान निर्मित पिस्तौल, सात मैगजीन, 13 कारतूस, एक चारपहिया वाहन, छह मोबाइल फोन और 10 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार पुरुषों की पहचान इनामुल हक, उसके अंगरक्षक रवि आनंद उर्फ सिंघा, तथा मो. शाहिद उर्फ अफरीदी खान और मो. सिराज के रूप में हुई है, जो इनामुल हक के रिश्तेदार बताए गए हैं। सभी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने बताया कि पिछले महीने तुपुदाना थाना क्षेत्र में फायरिंग की एक घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी केएसएस गिरोह ने ली थी। उस मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कुछ अपराधियों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि केएसएस का सरगना सुजीत सिन्हा सीधे प्रिंस खान से संपर्क में है, जो इस समय यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में रह रहा है।

राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब मार्ग से हथियार मंगवाते थे। इन हथियारों का इस्तेमाल देशभर में व्यापारियों को डराने और उनसे रंगदारी वसूलने के लिए किया जाता

था। रांची में इनामुल हक उर्फ बाबलू खान अपने साथियों के साथ सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलता था।

एसपी ने बताया कि इन लोगों द्वारा वसूला गया पैसा सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता था, जो उसे यूएई के जरिए पाकिस्तान भेजता था। वहीं से उस धनराशि का उपयोग अवैध हथियार खरीदने और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में किया जाता था। रिया सिन्हा को गिरफ्तार कर ओरमांझी थाना में मामला दर्ज किया गया है। उसके खिलाफ पहले से गैर-जमानती वारंट जारी था।

एसपी ने कहा कि रिया, इनामुल हक के साथ मिलकर रांची में हथियारों की आपूर्ति का काम कर रही थी। उसे अदालत में पेश किया जाएगा। राणा ने बताया कि जांच में यह भी स्पष्ट हो गया है कि ये सभी हथियार पाकिस्तान से सप्लाई किए गए थे। उन्होंने कहा कि हमें यह भी जानकारी मिली है कि कुछ महिलाएं पंजाब से रांची तक हथियारों की डिलीवरी के लिए आई थीं। पाकिस्तानी हथियार सप्लायर का नाम भी सामने आया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, इनामुल हक के खिलाफ रांची के विभिन्न थानों में कुल 10 आपराधिक मामले लंबित हैं।

गिरिडीह में मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतरे

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह स्थित सीसीएल के सीपी साइडिंग से कोयला लेकर धनबाद की ओर जा रही मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतर जाने की घटना सामने आई है। यह हादसा बरवाडीह के पास रेलवे ब्रिज के पास हुआ। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर के समय हुई, जिसके बाद से इस मार्ग पर कोयला परिवहन ठप हो गया है। इस संबंध में सीसीएल के सुरक्षा अधिकारी राज्यवर्धन ने बताया कि घटना के बाद से सीसीएल और रेलवे की संयुक्त टीम लगातार डिब्बों को पटरी पर वापस लाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, अब तक सफलता नहीं मिल सकी है और मालगाड़ी दो दिनों से अधिक समय से मौके पर ही फंसी हुई है।सीसीएल से जुड़े इस ट्रैक की हालत काफी जर्जर है। माना जा रहा है कि इसी वजह से हादसा हुआ है। गौरतलब है कि पिछले महीने भी इसी ट्रैक पर खाली मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया था, लेकिन इस बार कोयला लदी ट्रेन होने के कारण स्थिति अधिक गंभीर हो गई है। इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। यह ट्रैक केवल सीसीएल से कोयला ढुलाई के लिए उपयोग होता है। इसलिए आम रेल सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

6 देशों के एथलीट के साथ भारत के 92 खिलाड़ी होंगे प्रतिस्पर्धा के मैदान में

रांची, एजेंसी। साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप (सैफ) 2025 की मेजबानी कर रहा झारखंड अब पूरी तरह से तैयार है। मंगलवार सुबह से ही एथलीट का आना शुरू हो चुका है। सुबह 8 बजे भारतीय एथलेटिक्स टीम का पहला बैच रांची पहुंचा, जबकि दूसरा बैच भी दोपहर करीब 1 बजे पहुंच गया। दोपहर 3 बजे बंगलादेश के एथलीट भी रांची आ चुके थे। भारतीय टीम के पहले बैच में स्प्रिंटर प्रणव गुरव, उत्तम पाटिल, अर्णव टकालकर और उनके कोच शामिल थे। चैंपियनशिप का आयोजन 24 से 26 अक्टूबर तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में होना है।

एयरपोर्ट पर पहुंचते ही भारतीय युवा

धावक प्रणव गुरव ने कहा कि यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं।

ट्रैक देखने के लिए उत्साहित हूं। पूरी कोशिश रहेगी कि भारत को अधिक से अधिक स्वर्ण पदक दिला सकूं। बता दें कि इस चैंपियनशिप में 6 देशों की टीम शामिल हो रही है। इनके साथ भारत के 92 एथलीट अलग-अलग स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

अलग-अलग बैचों में पहुंच रहे भारत के खिलाड़ी : झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव और सैफ-2025 के समन्वयक मधुकांत पाठक ने बताया कि भारत की टीम को अलग-अलग बैचों में रांची भेजा जा रहा है। इससे खिलाड़ी स्थानीय माहौल में जल्दी अनुकूलित हो सकेंगे और अभ्यास समय पर शुरू कर सकेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत इस बार पिछली चैंपियनशिप से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

6 देशों के 300 एथलीट चैंपियनशिप में लेंगे भाग: डॉ. मधुकांत पाठक ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता में भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका के 300 एथलीट और 150 तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे। भारत की 81 सदस्यीय टीम 37 स्वर्ण पदक स्पर्धाओं में भाग लेगी। 2008 के कोच्चि संस्करण में 57 पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी इस बार भी चैंपियन का ताज बचाने के लिए तैयार हैं। भारत स्प्रिंट, मिडिल-डिस्टेंस, जंप, थ्रो और रिले इवेंट्स में टीम उतारेगा।

हजारीबाग के दीपूगढ़ा में भीषण आगजनी, कपड़ा दुकान और रेस्टोरेंट जलकर खाक

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के दीपूगढ़ा क्षेत्र में देर रात भीषण आग लगने से एक ही इमारत में स्थित दो दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग की लपटों में कपड़े की दुकान और पार्क व्यू रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल पूरी तरह समा गए। घटना में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दोनों दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटें पास की मेडिकल शॉप तक भी पहुंचीं, लेकिन स्थानीय लोगों की सतर्कता और दमकल विभाग की तत्परता से वहां बड़ा नुकसान टल गया।

आधिकारिक तौर पर आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण बताया जा रहा है। रेस्टोरेंट संचालक विकास यादव और कपड़ा दुकान मालिक अजीत कुमार मेहता के अनुसार, इस अग्निकांड में उन्हें करीब 80 से 90 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना के समय रेस्टोरेंट मालिक विकास यादव इमारत के निचले हिस्से में सो रहे थे। उन्होंने धुआं देखकर बाहर निकलने पर देखा कि पूरी दुकान आग की चपेट में है। उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को आग के प्रति सतर्क किया।इसके बाद हजारीबाग फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर टीम पहुंची। दमकलकर्मियों ने तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। दमकलकर्मियों ने रेस्टोरेंट में रखे गैस सिलेंडरों को समय रहते बाहर निकालकर संभावित विस्फोट से बड़ी दुर्घटना टाल दी।

झारखंड गठन के बाद से अब तक 378 पुलिस कर्मी वीरगति को हुए प्राप्त

रांची, एजेंसी। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) वन परिसर में शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया गया। इस मौके पर डीजीपी सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जैप वन परिसर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और परेड मैदान में परेड की सलामी ली। परेड के दौरान झारखंड पुलिस के सभी पदाधिकारियों व कर्मियों ने बलिदानियों के परिवारों के साथ हमेशा खड़ा रहने का निश्चय किया।

वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुलिस स्मृति दिवस पर कहा कि हम उन वीर सपूतों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश और राज्य की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ खड़ी है और उनके कल्याण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।हमारे पुलिस बल के जवान दिन-रात समाज की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सेवा में

निष्ठा से डटे रहते हैं।

सीएम ने आगे कहा कि झारखंड पुलिस के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और वीरता पर हमें गर्व है। मैं शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

श्रद्धांजलि देते डीजीपी अनुराग गुप्ता।

पुलिस संस्मरण दिवस पर झारखंड सहित पूरे देश में एक वर्ष के भीतर हुए बलिदानियों को याद किया गया। इस एक वर्ष की गणना एक सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच की गई है। इस दौरान पूरे देश में 191 जांबाज जवानों व अधिकारियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। बलिदानियों की सूची में झारखंड से माओवादी अभियान में शामिल सिपाही सुनील धान भी शामिल हैं। वे झारखंड जगुआर के जवान थे।

कुख्यात अपराधी सौरभ शर्मा उर्फ रिंकू सेठ गिरफ्तार : जमशेदपुर पुलिस ने जयपुर से दबोचा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी सौरभ शर्मा उर्फ रिंकू सेठ को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक की गुप्त सूचना पर की। सौरभ कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे ने बुधवार को बताया कि सूचना मिली थी कि सौरभ शर्मा जमशेदपुर में वारदात को अंजाम देने के बाद जयपुर में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही सिटी एसपी की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने 19 अक्टूबर 2025 को जयपुर जिले के शाहपुरा थाना क्षेत्र के हरदासवाली, अमरपुरा रोड स्थित एक ठिकाने से सौरभ को दबोच लिया।

सौरभ शर्मा पर 1 फरवरी 2024 को सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में हुई गोलीबारी में शामिल होने का आरोप है। इस घटना में टकलू लोहार की मौत हो गई थी, जबकि बानेश्वर नामता उर्फ मानस गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस मामले में पुलिस पहले ही आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, लेकिन सौरभ तब से फरार चल रहा था।

फरारी के दौरान सौरभ ने अपने गिरोह के साथ मिलकर मानगो पोस्ट ऑफिस रोड पर राजा सिंह की हत्या कराई थी। इसके अलावा, बोड़ाम थाना क्षेत्र में आशुतोष ओझा उर्फ अंशु को गोली मारने की वारदात में भी उसका नाम सामने आया था।

सौरभ शर्मा कुख्यात अमरनाथ गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया जाता है। वह शहर में अवैध वसूली और दहशत फैलाने के लिए कई वारदातों को अंजाम देता रहा है। एसएसपी ने बताया कि आरोपी शहर में अमरनाथ गिरोह को फिर से बनाने की कोशिश में लगा था। जमशेदपुर पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी और गुप्त जानकारी के आधार पर धैर्य और रणनीति के साथ यह कार्रवाई की। एसएसपी के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी से अपराधियों के नेटवर्क को करारा झटका लगा है।

हजारीबाग में ठगी का नया तरीका, एटीएम में गोंद चिपकाकर ठगों ने उड़ाए 50 हजार रुपए

हजारीबाग, एजेंसी। लंबे समय के बाद हजारीबाग में एक बार फिर एटीएम में गम चिपकाकर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय हो गया है। ताजा मामला सदर थाना क्षेत्र गोला रोड का है। यहां ठगों ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम में गम चिपकाकर 50 हजार रुपये की ऑनलाइन निकासी कर ली। भुक्तभोगी कानी बाजार निवासी शशिकांत सिन्हा ने इस संबंध में साइबर थाना हजारीबाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, धनतेरस पर्व के दिन शशिकांत सिन्हा एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे थे। उन्होंने पहले 3000 रुपये निकाले, लेकिन इसके बाद उनका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया।

कार्ड बाहर नहीं निकलने पर वे घबरा गए और एटीएम के भीतर दीवार पर लिखे ÷कस्टमर केयर÷ नंबर पर कॉल कर दिया। फोन रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मी बताकर उनसे कहा कि वे मशीन से एक फीट दूर खड़े होकर पिन कोड डालें।

पिन डालते समय एटीएम के बाहर खड़ा एक संदिग्ध व्यक्ति उनके पिन नंबर को देख रहा था। कुछ देर बाद कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें शाखा जाने की सलाह दी।

इसी बीच ठगों ने मशीन में फंसा कार्ड निकाल लिया और उसका दुरुपयोग करते हुए 10 हजार रुपये नकद निकाले, साथ ही नेट बैंकिंग के जरिए 40 हजार रुपये अन्य खाते में ट्रांसफर कर दिए।

भुक्तभोगी को जब मोबाइल पर मैसेज मिला तब उन्हें ठगी की जानकारी हुई। मामले की जांच साइबर थाना पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि एटीएम में समस्या होने पर किसी अज्ञात नंबर पर कॉल न करें और सीधे बैंक शाखा से संपर्क करें।

रांची पुलिस के भगोड़ा जवान से पिस्टल लेकर रेस्टोरेंट संचालक को मारी थी गोली

रांची, एजेंसी। कांके रोड स्थित चौपाटी रेस्टोरेंट संचालक हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने मुख्य शूटर अभिषेक सिंह समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार शूटर अभिषेक को पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने के बाद इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। जबकि, बाकी तीन आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जेल भेजे गए आरोपियों का नाम हरेंद्र सिंह, चालक रामापनंद कुमार और प्रशांत सिंह है।

वहीं गोलीकांड में शामिल अमित ठाकुर अब भी फरार है। आरोपी हरेंद्र सिंह रांची जिला बल का जवान है और वर्ष 2021 से विभाग छोड़कर भागा हुआ है। हरेंद्र ने पुलिस को बताया है कि रेस्टोरेंट संचालक को गोली मारने के लिए उसी ने अभिषेक को पिस्टल व गोली दी थी। आरोपी हरेंद्र के पास से दो पिस्टल, एक कट्टा व एक रायफल के अलावा गोली बरामद किया गया है। शूटर अभिषेक के पास से एक पिस्टल व गोली जब्त की है।

मृतक के बेटे ने दर्ज कराई प्राथमिकी : मृतक रेस्टूरेंट संचालक विजय नाग के पुत्र उत्कर्ष राज ने कांके थाना में 4 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया है कि गलत ऑर्डर का बहाना बनाकर अभिषेक के अलावा प्रशांत और अमित ठाकुर ने उसके पिता व रेस्टोरेंट के अन्य स्टाफ के साथ गााली-गलौज की। इस दौरान अभिषेक ने पिस्टल निकालकर विजय नाग के सीने में गोली मार दी।

पुलिस लाइन में खेलाता था जुआ, लालच में छोड़ी नौकरी : हरेंद्र सिंह के साथ काम कर चुके जवान उसके कारनामे की दाद देते हैं। नाम नहीं छापने की शर्त पर पुलिस जवानों ने बताया कि शुरुआत में हरेंद्र पुलिस लाइन में ही जुआ खेलाने का काम करता था। वह खुद भी जुआ खेलता था। ज्यादा पैसा कमाने की लालच में गोंदा थाना में तैनाती के बाद उसने जुआ खेलना तो छोड़ दिया, लेकिन जमीन के धंधे में लिप्त हो गया।

टाइगर मोबाइल में ड्यूटी के दौरान बना जमीन कारोबारी, सस्पेंशन के बाद विभाग से तोड़ा संपर्क : रांची जिला बल का भगोड़ा जवान हरेंद्र सिंह ने वर्ष 2011 में बहाल होकर विभाग में योगदान दिया था। उसने तत्कालीन लालपुर थानेदार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारियों के साथ बॉडीगार्ड के रूप में ड्यूटी की। कुछ वर्षों बाद हरेंद्र सिंह को ट्रांसफर कर गोंदा थाना भेज दिया गया। वहां टाइगर मोबाइल में उसकी ड्यूटी लगी। ड्यूटी के दौरान उसने पुलिस का धौंस दिखाकर कई विवादित जमीनों की डील की। अवैध तरीके से खूब पैसे कमाए।

इसी बीच 30 सितंबर 2018 को गोंदा स्थित हातमा बस्ती में जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत हो गई। जांच में हरेंद्र की लापरवाही सामने आई, जिसके बाद उसे सस्पेंड कर दिया। हालांकि कुछ दिनों बाद ही सस्पेंशन रिलीज हो गया। इसके कुछ महीने बाद ही अरगोड़ा में हुए एक हत्याकांड में उसे फिर से सस्पेंड किया गया। हालांकि इसके बाद आरोपी हरेंद्र सिंह ने विभाग में किसी से कोई संपर्क किया। पुलिस लाइन से कई बार नोटिस दिए जाने के बाद भी कोई जबाव नहीं दिया। जिसके बाद वर्ष 2021 में उसे भगोड़ा घोषित कर दिया।

बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाती हैं ये चीजें

खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे अधितर लोग परेशान रहते हैं। कोलेस्ट्रॉल खून में पाया जाने वाला फैट है, जो हार्मोन के उत्पादन और झिल्ली के कामकाज के लिए आवश्यक है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है अच्छा और खराब। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल है, जो शरीर के लिए जरूरी है लेकिन खराब कोलेस्ट्रॉल शरीर को नुकसान ही करेगा। जब अच्छे कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो शरीर इसे खाने-पीने की अच्छी चीजों की मदद से बनाता है। लेकिन जब खराब कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो खाने-पीने की कुछ गलत आदतें इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से क्या होता है? आपको यह बात होनी चाहिए कि खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल से बचने के उपायों की बात करें, तो रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं। आज हम आपको कुछ कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली पीले रंग की चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका आपको कम सेवन करना चाहिए या फिर नहीं करना चाहिए।

डीप फ्राइड फूड

आजकल बहुत से लोग डीप फ्राई फूड खाना पसंद करते हैं। अक्सर देखा गया है कि लोग चिकन, समोसा, कचौरी, आलो टिक्की जैसी डीप फ्राई चीजों का खूब सेवन किया जाता है। जाहिर है इन चीजों में तेल का अधिक इस्तेमाल किया जाता है जिस वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने का जोखिम अधिक रहता है।

घी और मक्खन

घी या मक्खन के बिना भारतीय खाना अधूरा है। मक्खन, देसी घी, पनीर, पाम ऑयल और नारियल के तेल जैसी चीजों में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है और इनका सेवन कम किया जाना चाहिए। खाना पकाने के लिए जैतून का तेल, चावल की भूसी का तेल, मूंगफली का तेल, सूरजमुखी का तेल और अन्य वनस्पति तेल का उपयोग करें।

जलेबी जैसी मिठाई

भारतीय मिठाइयों में चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जलेबी, छेना मिठाई, गुलाब जामुन और कई अन्य गहरी तली हुई मिठाइयों में तेल और चीनी का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। जाहिर है यह दोनों चीजें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करती हैं।

अंडे की जर्दी

अंडे की जर्दी में किसी भी भोजन का सबसे अधिक कोलेस्ट्रॉल 1234 एमजी प्रति 100 ग्राम या दैनिक मूल्य का 411% होता है। एक अंडे की जर्दी 210 एमजी कोलेस्ट्रॉल प्रदान करेगी, जबकि पूरा अंडे केवल 212 एमजी प्रदान करता है। इस प्रकार अंडे में सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल जर्दी में पाया जाता है।

फास्ट फूड

फास्ट फूड, कोलेस्ट्रॉल से भरे होते हैं। पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राई जैसी चीजों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होती है। इन चीजों को बनाने के लिए तेल, मक्खन, और चीज जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता हिया जिसमें कोलेस्ट्रॉल अधिक पाया जाता है।

दिवाली में ओवरइटिंग करके हो रहा पछतावा

5 चीजों से बॉडी की करें अंदर से सफाई

त्योहार एक ऐसा समय होता है जब लोग अपनी फेवरेट चीजों को खाने पीने से बिल्कुल भी परहेज नहीं करते हैं। लेकिन इसके बाद उन्हें ओवरइटिंग का गिल्ट जरूर होने लगता है। ऐसे में आप अपनी पोस्ट दिवाली डाइट में इन 5 चीजों को एड कर सकते हैं, जो बॉडी को डिटॉक्स करने और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में सहायक हैं।

हिंदू धर्म से जुड़े लोग हर साल बेसब्री से दिवाली के आने का इंतजार करते हैं। इस दौरान तरह-तरह के पकवान भी बनाए जाते है, जिनसे मुंह मोड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। त्योहार के समय लोग मिठाई या अन्य पकवान को खाने से कम परहेज कर पाते हैं लेकिन यही आदत आपके वेट गेन, हाई शुगर लेवल की वजह बन सकती है। इससे आपका मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो सकता है। दिवाली के बाद फिर पछताने का दौर शुरू होता है। लेकिन आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं, जो दिवाली के बाद आपके शरीर को डिटॉक्स करने और वजन को घटाने में मदद करेंगे।

दिवाली के बाद शरीर को डिटॉक्स कैसे करें?

चाहे आप अपनी डाइट को लेकर पूरे समय कितने भी माइंडफुल और सावधान क्यों न हों लेकिन त्योहारी सीजन के दौरान ओवरइटिंग करना या अपनी फेवरेट चीजें ज्यादा खा लेना बहुत स्वाभाविक है। अगर आपको लगता है कि आपने दिवाली पर कुछ ज्यादा ही खा लिया है तो इस तरह अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा मिलता है, जिससे अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद मिलती है।

छाछ

त्योहार में बिना सोचे समझे अपनी फेवरेट चीजों का सेवन करने में तो बहुत मजा आता है लेकिन इससे पाचन पर भी बहुत असर पड़ता है। इससे ब्लोटिंग, अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में छाछ का सेवन करना आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, छाछ हल्का और डाइजेस्टिव फ्रेंडली ड्रिंक है, जो पेट को आराम देता है और डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है। साथ ही इसका सेवन करने से पाचन में सुधार होता है और ब्लोटिंग भी कम होती है।

खूब पानी पिएं

दिवाली के बाद अपने शरीर को अच्छी तरह हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए दिन में 7 से 9 गिलास पानी जरूर पिएं। दरअसल, पानी पीने से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और मल त्याग में मदद मिलती है, जिससे कब्ज जैसी समस्या नहीं होती है। अगर आपके लिए सादा पानी पीना मुश्किल होता है तो उसमें नींबू मिला सकते हैं। चाहे तो गर्म पानी भी पी सकते हैं।

फल और सब्जियों का सेवन

त्योहार के दौरान अधिकतर पकवान में मैदा का इस्तेमाल होता है। वहीं, मिठाई में बहुत अधिक चीनी लोड होती है, जिससे आपके पाचन पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में पोस्ट-दिवाली डाइट में आपको फल और सब्जियां भरपूर मात्रा में शामिल करनी चाहिए। दरअसल, फ्रूट्स और वेजिटेबल्स फाइबर, पानी, एंटीऑक्सिडेंट और एंजाइम प्रदान करके शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करते हैं, जो शरीर के प्राकृतिक डिटॉक्स अंगों लिवर और किडनी को सपोर्ट करते हैं।

ग्रीन टी

इसके अलावा आप अपनी पोस्ट-दिवाली डाइट में ग्रीन टी को भी शामिल कर सकते हैं, क्योंकि यह टॉक्सिन्स को बाहर निकालने, मेटाबॉलिज्म को तेज करने और लिवर के कार्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ग्रीन टी पीने का सबसे अच्छा समय सुबह और वर्कआउट सेशन से पहले है।

नट्स और सीड्स

इसके अलावा आप सुबह-सुबह नट्स और सीड्स का सेवन कर सकते हैं। बैटरहेल्थ के मुताबिक प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स के अच्छे सोर्स हैं। इनकी मदद से आपको अपने वेट को मैनेज करने में मदद मिल सकती है। दरअसल, ये आपकी भूख को कम करते हैं, जिससे आप एक्स्ट्रा कैलोरी कंज्यूम करने से बचते हैं। इसके अलावा नट्स और सीड्स से पूरे दिन बॉडी को एनर्जी मिलती रहती है।

हार्ट अटैक-कैंसर से बचाने वाला मसाला है सौंफ

सौंफ का इस्तेमाल मसाले के रूप में किया जाता है। काफी लोग इसे खाने के बाद माउथ फ्रेशनर की तरह भी खाते हैं। लेकिन क्या सौंफ का रोल सिर्फ इतना ही है? बिल्कुल नहीं। सौंफ का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। सौंफ के अंदर कई सारे गुण होते हैं, जो पाचन के बाद खून में घुलकर अलग-अलग काम करते हैं। विभिन्न रिसर्च के मुताबिक, इस मसाले से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है। आइए इसके पीछे की पूरी प्रक्रिया जानते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद है सौंफ

सौंफ के अंदर फाइबर होता है, जिसे कई रिसर्च में दिल के लिए लाभदायक पाया गया है। रिसर्च के अनुसार हाई फाइबर डाइट को दिल की बीमारी का खतरा कम करने वाला पाया गया है।

कई तरह के कैंसर से बचाव

Anethole सौंफ का मुख्य कंपाउंड है, जिसमें कैंसर से लड़ने वाले गुण देखे गए हैं। एक टेस्ट ट्यूब स्टडी में इस कंपाउंड को ब्रेस्ट कैंसर की सेल्स के विकास को रोकने में मददगार पाया गया है। जिस वजह से इस मसाले को कैंसर के बचाव में महत्वपूर्ण माना गया है।

वेट लॉस में आ सकती है काम

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो खाने में सौंफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि, यह मसाला भूख को दबाने का काम करता है। जिससे आप कैलोरी इनटेक कंट्रोल कर पाते हैं। आप सौंफ की चाय का सेवन भी कर सकते हैं।

मिलते हैं कई सारे न्यूट्रिएंट

सौंफ के अंदर सिर्फ फाइबर और प्लांट कंपाउंड ही मौजूद नहीं है। बल्कि यह अन्य जरूरी विटामिन और मिनरल्स की सप्लाई भी करती है। इसके सेवन से विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैंगनीज आदि पा सकते हैं।

ये फायदे भी कर लें याद

- बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाव
- इंफ्लामेशन से बचाव
- मेंटल हेल्थ के लिए बढ़िया
- मेनोपॉजल सिंप्टम्स से राहत

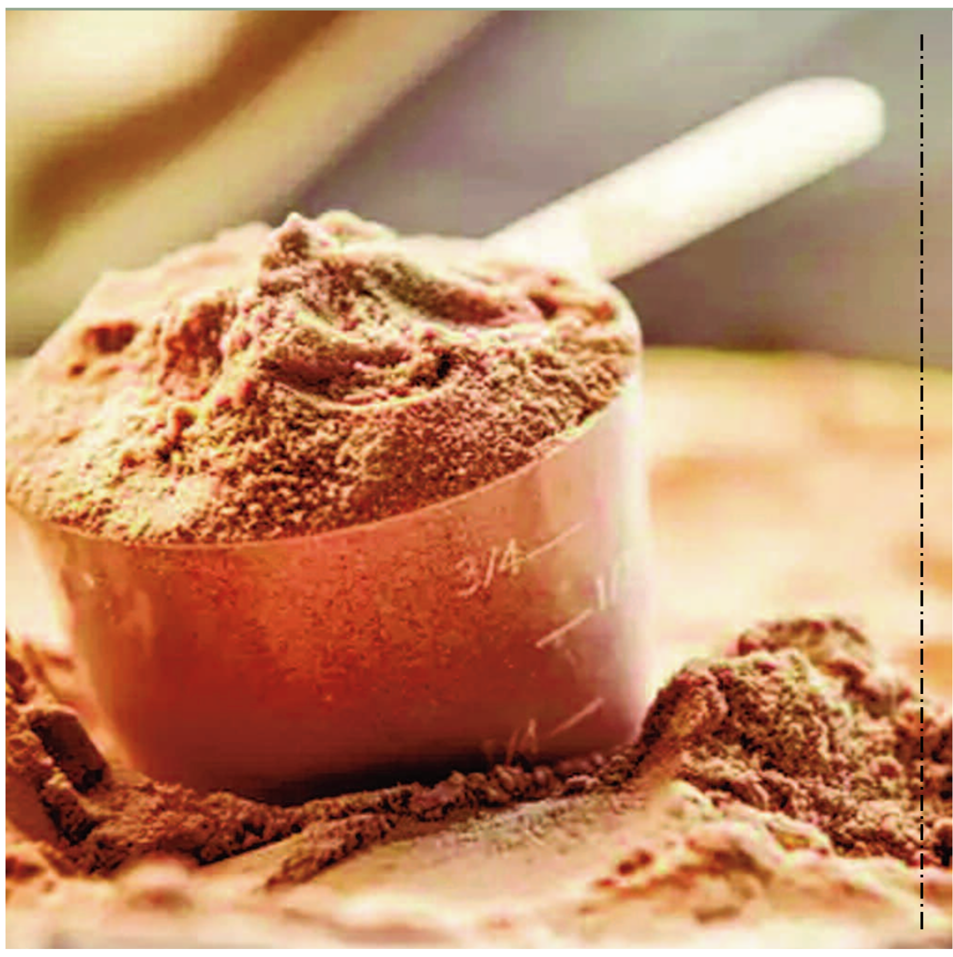

आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है प्रोटीन पाउडर

प्रोटीन मसल्स के लिए बहुत जरूरी होता है। यह मैक्रो न्यूट्रिएंट कई अमिनो एसिड से मिलकर बनता है, जो मांसपेशियों को विकसित करने में मदद करता है। इसलिए सभी एक्सपर्ट हर दिन डाइट में प्रोटीन फूड शामिल करने की सलाह देते हैं। बॉडी बिल्डिंग या जिम जाने वाले लोगों को प्रोटीन की अधिक जरूरत होती है। इसे पूरा करने के लिए वो प्रोटीन पाउडर का सहारा लेते हैं। यह सप्लीमेंट फिटनेस गोल को पाने में मदद करता है और जरूरी मात्रा प्रदान करता है। लेकिन क्या यह आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

गैस, पेट फूलना, क्रैम्प

इन पाउडर को बनाने में डेयरी या प्लांट बेस्ड प्रोटीन का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों का पाचन तंत्र इन्हें पचाने में काफी मुश्किलों का सामना करता है। जिसकी वजह से गैस, पेट फूलना और पेट में क्रैम्प की दिक्कत हो सकती है।

गट बैक्टीरिया में असंतुलन

कई प्रोटीन पाउडर के अंदर आर्टिफिशियल स्वीटनर, फ्लेवर और कलर होते हैं, जो गट हेल्थ को नुकसान पहुंचाते हैं। ये चीजें पेट में मौजूद हेल्दी गट बैक्टीरिया को असंतुलित कर सकती हैं और पाचन को खराब कर सकती हैं।

बढ़ा सकती हैं ब्लड शुगर

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए खूब सारी शुगर का इस्तेमाल किया जाता है। इसका सेवन इंसुलिन को तेजी से बढ़ाता है और वजन बढ़ाता है। इससे डायबिटीज का जोखिम बढ़ सकता है।

हो सकते हैं जहरीले पदार्थ

डॉ. ने क्लीन लेवल प्रोजेक्ट की हालिया रिसर्च का हवाला देते हुए बताया कि कुछ प्रोटीन पाउडर में लेड, आर्सेनिक और कीटनाशक जैसे टॉक्सिक प्रॉडक्ट हो सकते हैं, जो आपके पेट को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं।

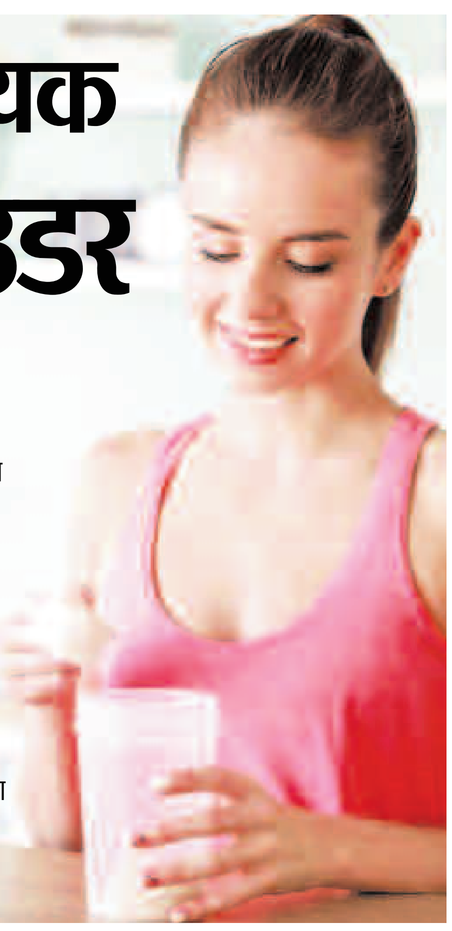

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान

नीतिगत समर्थन जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्तूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है।

स्टील अंडर सीज

अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।

रक्षोपाय शुल्क से लगा अंकुश- भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय शुल्क था। 45 प्रतिशत इस्पात दक्षिण कोरिया और चीन समेत कईदेशों से भारत आयात करता है।

2024-25 में तेजी से बढ़ा आयात

भारत करीब 45 फीसदी इस्पात का आयात करता है।इसमें दक्षिण कोरिया की हिस्सेदारी 14.6 फीसदी और चीन की 9.8 फीसदी है।इसके अलावा, भारत अमेरिका से 7.8 फीसदी, जापान से 7.1 फीसदी और ब्रिटेन से 6.2 फीसदी इस्पात आयात करता है। लेख में कहा गया है कि 2022 से घरेलू खपत और उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि दर्ज की गईहै। इसके अलावा, अप्रैल, 2022 से नवंबर, 2024 तक भारत की इस्पात खपत औसतन 12.9 फीसदी (मासिक वृद्धि दर का औसत) की रफ्तार से बढ़ी है। यह लेख अप्रैल, 2013 से मार्च, 2025 तक के मासिक आंकड़ों पर आधारित है। लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और ये आरबीआई को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

निर्यातक देशों की मूल्य तय करने की नीतियां चिंताजनक- आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग के अधिकारी अनिर्बन सान्याल और संजय सिंह ने लेख में कहा, बढ़ते आयात और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल के दाम में आज आग लगी है। हालांकि, भारत के लिए राहत की बात ये है कि पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक ब्रेंट

क्रूड वायदा 1.76 प्रतिशत उछलकर 64.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अभी कुछ दिन पहले यह 60.91 डॉलर प्रति बैरल पर था। दूसरी ओर, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट फ्यूचर्स भी चंद दिन पहले 57.46 डॉलर पर था और आज 1.65 प्रतिशत की उछाल के साथ 60.15 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। कच्चे तेल के रेट में इस उछाल के बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट कर दी हैं। आज दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 प्रति लीटर बिक रहा है। बता दें मार्च 2024 में पेट्रोल-डीजल के दाम 2 प्रति लीटर घटाए गए थे।

ऑनलाइन बिक्री अब त्योहारों पर ही निर्भर नहीं

मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक का वर्चस्व, अब पूरे साल खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है।लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं।हालांकि, त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री की रफ्तार बढ़ाने में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की भूमिका अब भी काफी महत्वपूर्ण है। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। इसके बावजूद मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियां अब भी वार्षिक त्योहारी उछाल पर निर्भर हैं। यानी त्योहारों के दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स ही अब भी बिक्री की रफ्तार तय करते हैं।

सुझाव...विभिन्न ब्रांड भी घटा सकते हैं निर्भरता

रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न ब्रांड को त्योहारी सीजन पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही जैसे सुस्त बिक्री समय में विशेष उत्पादों की पेशकश या प्रचार अभियान शुरू करने पर ध्यान देना चाहिए। भविष्य में ये कंपनियां होंगी सबसे आगे...रेडसीर ने रिपोर्ट में कहा, दौर बदलने के साथ भारत में ऑनलाइन खुदरा कारोबार धीरे-धीरे त्योहारों के समय की चरम स्थिति से बाहर निकल रहा है। भविष्य में वही कंपनियां बाजार की अग्रणी होंगी, जो न सिर्फ त्योहारी उच्च मांग को कुशलता से संभालने में सक्षम होंगी, बल्कि सुस्त महीनों में भी मांग पैदा कर सकेंगी।

इन वस्तुओं की बिक्री पर त्योहारी असर नहीं

राशन के सामान, सौंदर्य उत्पाद और व्यक्तिगत देखभाल वाली श्रेणियों को ऑनलाइन बिक्री के लिहाज से सबसे स्थिर बताया गया है, क्योंकि इनमें सालभर मांग लगभग समान रहती है। यह कम मूल्य वाले और बार-बार खरीदे जाने वाले उत्पादों की विशेषता है। घरेलू साज-सज्जा एवं फर्नीचर के साथ फैशन श्रेणियां मध्यम मौसमी प्रवृत्ति दिखाती हैं। इनमें त्योहारी महीनों में उछाल तो आता है, पर उतार-चढ़ाव उतना अधिक नहीं होता है।

छोटे शहरों ने ऑनलाइन खरीदारी का तोड़ा रिकॉर्ड- त्योहारी सीजन की ऑनलाइन खरीदारी अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब छोटे शहरों के लोग भी जमकर ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं।दिवाली पर टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले लोगों ने दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्डतोड़ ऑनलाइन खरीदारी की है। लॉजिस्टिक्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म क्लिकपोस्ट की ओर से किए गए 4.25 करोड़ से ज्यादा शिपमेंट के विश्लेषण से यह साफ हुआ कि अब गैर-मेट्रो शहर ई-कॉमर्स की नई रीढ़ बन चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली पर कुल ऑर्डर का 50.7 फीसदी सिर्फ टियर-3 शहरों से आया, जबकि टियर-2 शहरों का योगदान 24.8 फीसदी रहा। यानी देश के कुल ऑनलाइन ऑर्डर वॉल्यूम में छोटे शहरों का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा।

ऑर्डर मूल्य में भी इजाफा

इस साल त्योहारों के दौरान औसत ऑर्डर मूल्य बढ़कर 4,346 रुपये पहुंच गया, जो 2024 में 3,281 रुपये था।यानी छोटे शहरों से किए गए ऑर्डर में 32.5 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह दिखाता है कि ग्राहक अब न सिर्फ ज्यादा, बल्कि महंगी-प्रीमियम चीजें भी खरीद रहे हैं।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा का बड़ा फैसला, आई में 600 नौकरियां हुई खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग में 600 नौकरियां खत्म का फैसला किया है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम कंपनी के कामकाज को दुरुस्त करने के लिए उठाया गया है। कंपनी ने पहले बहुत अधिक तेजी से नौकरियां बढ़ाई थीं।

किस पर असर नहीं होगा- यह नौकरी कटौती मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा स्थापितटीबीडी लैब नामक विशेष प्रोजेक्ट को प्रभावित नहीं करेगी। इस लैब में ओपनएआई और एप्पल जैसी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के टॉप शोधकर्ताओं को बहुत ऊँचे वेतन पर लाकर टीम बनाई गई है।

कहां होगी कटौती- यह नौकरी कटौती आई से जुड़े प्रोडक्ट्स पर उनकी बेसिक स्ट्रक्चर पर काम करने वाली टीमों पर केंद्रित होगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, इसका उद्देश्य कंपनी की कार्यक्षमता बढ़ाना है, साथ ही कंपनी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के काम को प्रभावित नहीं होने देना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कटौती से प्रभावित कई कर्मचारियों को कंपनी में दूसरे विभागों में लगाया जा सकता है।

जुलाई में भारी निवेश और सितंबर में भारी निकासी

नई दिल्ली, एजेंसी। फिक्स्ड इनकम यानी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं से सितंबर महीने में 1.02 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। बड़े संस्थागत निवेशकों की निकासी इसकी प्रमुख वजह रही। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की संस्था एम्फी की तरफ से जारी

आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। अगस्त में इन फंड योजनाओं से 7,980 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी जबकि जुलाई में 1.07 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया था। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने ऋण या बॉन्ड में निवेश करने वाली 16 में से 12 एमएफ श्रेणियों में शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इनमें लिक्विड फंड योजनाओं से 66,042 करोड़ रुपये, मनी मार्केट फंड से 17,900 करोड़ रुपये और बेहद कम अवधि वाले फंड से 13,606 करोड़ रुपये की निकासी शामिल है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में विश्लेषक नेहाल मेश्राम ने कहा कि यह निकासी मुख्यत: सितंबर तिमाही के अंत की नकदी जरूरतों और अग्रिम कर भुगतान से जुड़ी संस्थागत निकासी का नतीजा है

बड़े पैमाने पर निकासी

बड़े पैमाने पर निकासी होने से ऋण आधारित फंड योजनाओं की प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियां सितंबर अंत तक घटकर 17.8 लाख करोड़ रुपये रह गई, जो अगस्त में 18.71 लाख करोड़ रुपये थीं। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में सितंबर महीने के दौरान 30,421 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ, जो अगस्त के 33,430 करोड़ रुपये से नौ प्रतिशत कम है।

चार प्रतिशत चढ़ा इंफोसिस का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड के शेयरों में आज गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे की वजह एक खबर को माना जा रहा है। इंफोसिस लिमिटेड ने दी जानकारी में बताया है कि प्रमोटर्स बायबैक में हिस्सा नहीं लेंगे। बीएसई में इंफोसिस लिमिटेड के शेयर 1515 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में इंफोसिस लिमिटेड के शेयर 4.20 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1535.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था।

सुधा मूर्ति और नंदन निलेकणी ने बनाई दूरी- 22 अक्टूबर को इंफोसिस लिमिटेड ने दी जानकारी में कहा था कि कंपनी के प्रमोटर्स नंदन निलेकणी, सुधा मूर्ति और अन्य 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का हिस्सा नहीं होंगे। बता दें, प्रमोटर्स का बायबैक में हिस्सा ना लेना कंपनी के आत्मविश्वास को दर्शाता है। वहीं, रिटेल निवेशक भी बायबैक में अपनी स्थिति बेहतर कर सकते हैं।

18000 करोड़ रुपये का बायबैक- इंफोसिस ने 18000 करोड़ रुपये के बायबैक का ऐलान किया है। कंपनी 10 करोड़ शेयरों को वापस खरीद रही है। इसके लिए कंपनी ने 1800 रुपये प्रति शेयर कीमत तय की है। जोकि बुधवार की क्लोजिंग की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। बता दें, अभी तक इंफोसिस ने बायबैक का रेशियो, रिकॉर्ड डेट और अन्य तारीखों का ऐलान नहीं किया है।

खाद्य तेल उद्योग पर सरकार की नजर

अब कंपनियों को करना होगा ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम क्षेत्र खाद्य तेल उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार एक्शन मोड में है। सरकार ने बुधवार को कहा कि वह नए नियामकीय आदेशों के अनुपालन की जांच के लिए देशभर में निरीक्षण अभियान शुरू करेगी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि ये निरीक्षण जांच हाल ही में संशोधित एक आदेश के तहत की जाएंगी, जिसमें खाद्य तेल बनाने, प्रसंस्करण करने और बेचने वाली सभी इकाइयों को रजिस्ट्रेशन कराना और हर महीने उत्पादन का ब्योरा देना अनिवार्य किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों पर कार्रवाई के लिए है। इसका उद्देश्य अनुपालन की गंभीरता को सुदृढ़ करना और खाद्य तेल क्षेत्र के राष्ट्रीय डेटा तंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखना है।

1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात

सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत खाद्य तेल की अपनी घरेलू मांग पूरी करने के लिए आयात पर बहुत निर्भर है। देश हर साल 1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात करता है, जिनमें प्रमुख रूप से इंडोनेशिया एवं मलेशिया से पाम तेल और अर्जेंटीना एवं ब्राजील से सोया तेल मंगाया जाता है।

कहां कराना होगा रजिस्ट्रेशन

संशोधित 'वनस्पति तेल उत्पाद, उत्पादन एवं उपलब्धता (नियमन) आदेश, 2025' के तहत खाद्य तेल कंपनियों को नेशनल सिंगल विंडो व्यवस्था पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और उन्हें एडिबलऑयलइंडिया.इन के पोर्टल पर मासिक रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इन प्रावधानों का पालन नहीं करने वाली खाद्य तेल कंपनियों के खिलाफ संशोधित आदेश और सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 2008 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में खाद्य तेल इकाइयों ने पहले ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा लिया है जिससे यह संकेत मिलता है कि उद्योग इस नियामकीय बदलाव में सहयोग कर रहा है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था खाद्य तेल क्षेत्र में वास्तविक समय में निगरानी सुनिश्चित करेगी और नीतिगत हस्तक्षेप की क्षमता को बेहतर बनाएगी। मंत्रालय ने इसे भारत की खाद्य सुरक्षा अवसंरचना में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उधार के 100 से करोड़ों की मालकिन!

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल ... मलप्पुरम की शरीफा ...लथिंगल ने व्यावसायिक ...फलता की अनूठी मिसाल पेश ...ी है। उन्होंने 100 रुपये उधार ...कर अपने काम की शुरुआत ...ी थी। आज वह तीन होटलों ...ी मालकिन हैं। ये तीनों ...ोट्टक्कल में हैं। 2000 के दशक ... अंत में जब उनके परिवार के ...स चावल का दलिया खरीदने ...क के पैसे नहीं थे, तब शरीफा ... उन्नियप्पम (चावल के आटे ...ी बनी मिठाई) बनाकर ...थानीय दुकानों पर बेचना शुरू

किया था। अपनी एक साल की बेटी को गोद में उठाकर चार किलोमीटर पैदल चलने से लेकर अब करोड़ों की संपत्ति की मालकिन बनने तक शरीफा ने गरीबी और असफलता दोनों को चुनौती दी। आज वह 40 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार देकर ऐसी रोल मॉडल बन गई हैं, जिनकी कामयाबी का आधार सिर्फ कड़ी मेहनत है। आइए, यहां शरीफा कलथिंगल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

गरीबी का फंदा तोड़ने का किया फैसला - शरीफा कलथिंगल का सफर गरीबी और अभाव से शुरू हुआ। उनके पति सक्कीर एक पेंटर थे। मॉनसून के महीनों में उन्हें अक्सर चावल का दलिया भी नसीब नहीं होता था।

बैंकों ने कर्ज देने से कर दिया मना

...गातार छोटी सफलता के बाद शरीफा ने एक छोटा कैटरिंग व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंकों से कर्ज लेने की कोशिश की। लेकिन, कोलेट्रल ...गिरवी रखने के लिए संपत्ति) न होने के कारण सभी बैंकों ने उन्हें मना कर दिया। ताने अलग से दिए। इस अस्वीकृति से निराश न होकर उन्होंने केरल ...रकार के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम कुटुम्बश्री से जुड़ने का फैसला किया। 2018 में कुटुम्बश्री से 2 लाख रुपये का कर्ज लेकर उन्होंने अपने ...टे मुथु के नाम पर मुथु कैटरिंग को लॉन्च किया। व्यवसाय तेजी से बढ़ा और उन्होंने बिरयानी, पाथरी (रोटी जैसा चावल से बना व्यंजन) और चपाती

रॉकेट की स्पीड से बढ़ा कारोबार

जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी 2020 में कोरोना महामारी ने उनके व्यवसाय को बुरी तरह प्रभावित किया। सभी ऑर्डर रुक गए। इस संकट के समय कुटुम्बश्री ने शरीफा को मंजेरी मेडिकल कॉलेज में कोरोना मरीजों के लिए भोजन (नाश्ता और चावल का दलिया) सप्लाई करने का मौका दिया। उन्होंने इस मौके को लपक लिया। लगभग 2,000 मरीजों के लिए भोजन पहुंचाना शुरू किया। इसके लिए उन्होंने 10-15 महिलाओं को काम पर रखा। महामारी के थमने के बाद उन्हें कोट्टक्कल आयुर्वेद कॉलेज की कैंटीन चलाने का काम मिला। इस सफलता के बाद उन्होंने कोट्टक्कल में एक होटल खरीदकर अपने व्यवसाय को विस्तार दिया।

छोटे दुकानदार ग्राहकों को नहीं दे रहे जीएसटी सुधार का पूरा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी की दरों में कटौती के लागू होने के लगभग एक महीने बाद भी उपभोक्ताओं को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। कुछ सामान छोटी दुकानोंमें पुरानी कीमतों पर बेचे जा रहे हैं। अधिकारियों ने पाया है कि विक्रेता अपना पुराना माल कम कीमत पर बेचने के बजाय पुराने प्रिंट रेट पर बेच रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन विक्रेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती, क्योंकि वे जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं।

सरकार छह माह तक कीमतों पर रखेगी नजर- एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार कम से कम छह माह तक कीमतों पर नजर रखने की योजना बना रही है और इसके लिए लोगों को भी जागरूक कर रही है। उन्होंने कहा कि छोटे दुकानदारों के साथ कुछ समस्याएं आ रहीं हैं, लेकिन उम्मीद है कि दिसंबर तक सभी को पूर्ण रूप से जीएसटी सुधार का लाभ मिलने लगेगा। यदि कोई भी दुकानदार 40 लाख रुपये वार्षिक से अधिक का व्यापार करता है तो उसे जीएसटी रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होता है। सर्विस सेक्टर में, 20 लाख रुपये से अधिक के

जीएसटी के लिए पंजीकरण कराना होगा। गली-मुहल्लों में ज्यादातर छोटे दुकानदार इस सीमा के दायरे में नहीं आते। इसी के चलते उनपर कार्रवाई करना आसान नहीं है।

सामान खरीदते समय क्या सावधानी बरतें

पैकेट पर एमआरपी देखें, हमेशा सामान पर छपा नया एमआरपी चेक करें। अगर दो एमआरपी दिख रहे

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य

ममायरबेकोव को दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9–1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर–23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया। विश्वजीत ने कजाकिस्तान के

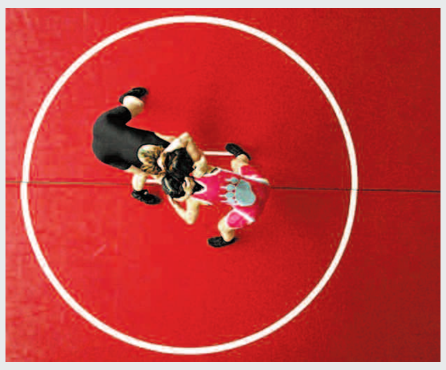

येरासिल ममायरबेकोव को 5–4 से हराया। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9–1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया।

तीन महिला पहलवानों को मिली हार

भारत की तीन महिला पहलवानों को हालांकि अपने–अपने शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही स्वियातलाना कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटखनी खाने से हार गईं। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4–6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं और चीन की युकी लियू से 3–9 से हार गईं। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया।

विराट कोहली ने एडिलेड में दिए संन्यास के संकेत

- शून्य पर आउट होने के बाद किया ऐसा; फैंस मायूस

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान का शेर, जिसने सालों तक इस खेल पर राज किया. वो विराट कोहली अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं, ऐसा हम नहीं बल्कि क्रिकेट का हर दिग्गज बोल रहा है. हालांकि विराट की फिटनेस शानदार है, लेकिन माना जा रहा है कि वह वनडे से भी जल्द रिटायरमेंट ले लेंगे. कोहली पर्थ में शून्य पर आउट हुए थे, एडिलेड में भी वही हुआ. कोहली खाता नहीं खोल पाए, लेकिन यहां ग्राउंड से पवेलियन लौटते हुए

उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है. विराट कोहली 7वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब कप्तान शुभमन गिल के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा था. कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी क्योंकि इस मैदान पर वह इससे पहले खेली 4 पारियों में 2 बार शतक जड़ चुके थे. लेकिन आज वह खाता भी नहीं खोल पाए, जेवियर बार्टलेट ने एक ही ओवर में गिल और कोहली को आउट किया.

विराट कोहली ने किया गुड बाय!

जब विराट कोहली एडिलेड में शून्य पर आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे, तब फैंस खड़े हो गए तो विराट कोहली ने हाथ उठाकर गुड बाय जैसा इशारा किया. उन्होंने फैंस से शुक्रिया कहा, इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी लगातार वायरल हो रहा है. फैंस चिंतित हैं कि कहीं कोहली अब संन्यास का एलान न कर दें. इस दौरान क्रिकेट कमेंटरी में कहा जा रहा था कि हो सकता है वह एडिलेड फैंस का शुक्रिया इसलिए कर रहे थे कि वह अब इस मैदान पर कभी नहीं खेलेंगे, जो उनके पसंदीदा ग्राउंड में से एक है.

महिला प्रीमियर लीग: नीलामी की तारीख आई सामने

नम्बर में दिल्ली में इस दिन होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग की नीलामी नई दिल्ली में होगी। फ्रेंचाइजियों को अभी तक कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन क्रिकबज को पता चला है कि सभी टीमों को संभावित स्थल के बारे में अनौपचारिक रूप से बता दिया गया है। नीलामी की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन अब इसकी समय सीमा 26-27 नवंबर कर दी गई है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने संकेत दिया था कि नीलामी 26 से 29 नवंबर के बीच होगी। सैद्धांतिक रूप से एक बड़ा आयोजन होने के बावजूद नीलामी एक ही दिन में पूरी होने की उम्मीद है।

डब्ल्यूपीएल में केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज़्यादा समय लगने की संभावना नहीं है, भले ही 90 खिलाड़ियों की नीलामी हो। हालांकि, यह एक असंभव परिदृश्य है, क्योंकि टीमों के नीलामी में काफी संख्या में रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ उतरने की उम्मीद है।

फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है। प्रत्येक टीम को पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति है और अगर कोई टीम सभी 5 खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपए, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपए, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपए, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपए और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपए का नुकसान होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपए है और पांच रिटेंशन पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। डब्ल्यूपीएल ने कहा है कि यह दिशानिर्देश मूल्य केवल वेतन सीमा की गणना के लिए है और किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि सुझाए गए मूल्य से भिन्न हो सकती है। डब्ल्यूपीएल ने हाल ही में फ्रेंचाइजियों को लिखे एक नोट में कहा, हालांकि किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि दिशानिर्देश मूल्य से भिन्न हो सकती है, लेकिन रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर कुल राशि का उपयोग वेतन सीमा की गणना के लिए किया जाएगा।

एक अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने की दिशानिर्देश मूल्य 50 लाख रुपए है और प्रत्येक टीम अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके अलावा एक फ्रेंचाइजी अधिकतम तीन कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है और रिटेंशन सूची में अधिकतम दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच विकल्पों को मंजूरी दी है, लेकिन किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी एक आरटीएम विकल्प खो देगी। उदाहरण के लिए अगर कोई टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसके पास नीलामी में राइट टू मैच का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, बिना किसी रिटेंशन के नीलामी में जाने वाली टीम अपने पांच खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच का इस्तेमाल कर सकती है।

फ्रेंच ओपन 2025

इंडोनेशिया की जोड़ी से हारने के बाद सात्विक-चिराग फ्रेंच ओपन से बाहर, उन्नति हुड्डा जीतीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ हार के बाद बाहर हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी बुधवार को इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ राउंड ऑफ 32 पुरुष युगल मैच में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चिराग और सात्विक की जोड़ी ने यह मुकाबला 18-21, 20-22 से गंवाया।

उन्नति हुड्डा जीतीं– उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन आयुष शेट्टी पुरुष एकल में जापान के कोकी वातानबे से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गए।

उन्नति ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में मलेशिया की लेत्शाना करुपथेवन को 11-21, 21-13, 21-16 से हराया लेकिन इससे पहले आयुष को जापान के अनुभवी खिलाड़ी वातानबे के खिलाफ कड़े मुकाबले में 19-21, 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के पहले दौर में चीन की हान यू के खिलाफ 15-21, 11-21 से हार गईं जबकि अनमोल खरब को भी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एश्ले गार्डनर ने महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया

इंदौर, एजेंसी। बुधवार को होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप 2025 का 23वां मैच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने 104 रन की नाबाद यादगार पारी खेली। गार्डनर का ये शतक महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एश्ले गार्डनर ने 69 गेंद पर शतक लगाया। महिला वनडे विश्व कप इतिहास का ये सबसे तेज शतक है। इससे पहले का रिकॉर्ड डेंड्रा डॉटिन के नाम था। डॉटिन ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 71 गेंद पर शतक लगाया था। इसी विश्व कप में एलिसा हिली ने बांग्लादेश के खिलाफ 73 और एश्ले गार्डनर ने 77 गेंद पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया है। इंग्लैंड की मौजूदा कप्तान नेट सेवियर ब्रंट ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 76 गेंद पर शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस मैच में 73 गेंद पर 16 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। गार्डनर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आईं थीं। छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है। गार्डनर ने छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 3 शतक लगाए हैं। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंद पर 1 छक्का और 10 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली थी। एलिस कैप्से ने 38 और चार्लोट डीन ने 26 रन बनाए थे। 245 के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 68 के स्कोर पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे।

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

- नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान बाबर आजम की करीब 10 महीने बाद पाकिस्तान की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 13 दिसंबर 2024 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बाबर के साथ तेज गेंदबाज नसीम शाह की भी लगभग 11 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। नसीम ने अपना पिछला टी-20 मुकाबला 16 नवंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज (ट्राई सीरीज) के लिए भी टीम का ऐलान किया है। इस त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी हिस्सा लेंगे। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) : भारत के सुपरस्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैचों में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। रोहित ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ विराट कोहली भी हैं, जो वर्तमान में 802 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने की दौड़ में हैं। हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी धरती पर 21 मैचों में 56.36 की औसत और 89.32 के स्ट्राइक रेट से 1071 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171* रहा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का था। उनकी पारी का सबसे खास पल मिशेल ओवेन के खिलाफ लगाए गए दो

बड़े पुल शॉट थे, जिन्हें स्टैंड में छक्के के लिए भेजा गया। रोहित ने अब तक 275 वनडे और 267 पारियों में 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रहा है। शर्मा पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़कर वनडे में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे। रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार पचास से अधिक का स्कोर बनाया है और यह केवल दूसरा ऐसा मौका था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का मील का पत्थर हासिल किया। आखिरी बार उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में 50 रन बनाए थे। इस साल वनडे में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 रहा है।

चैंपियंस लीग: रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने दर्ज की

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को 1-0 से हराकर चैंपियंस लीग अभियान में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है। इस टीम ने तीन मुकाबलों में नौ अंक हासिल कर लिए हैं।मुकाबले के पहले हाफ में मैड्रिड ने दबदबा बनाए रखा, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। मैड्रिड को सबसे शानदार मौका हाफ-टाइम के दौरान मिला। किलियन एम्बाप्पे ने ब्राहिम के प्रभावशाली पास को अपने पास लिया और बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक शक्तिशाली ड्राइव लगाई, लेकिन डि ग्रेगोरियो के शानदार रिएक्शन स्टॉप ने 40वें

मिनट में फ्रांसीसी खिलाड़ी को गोल करने से रोक दिया। ब्रेक के बाद गतिरोध तोड़ते हुए जूड बेलिंगहैम ने 57वें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को 1-0 से बढ़त दिला दी। एक अन्य मैच में लिवरपूल ने पहले हाफ के 10 मिनट में तीन गोल दागकर फ्रैंकफर्ट पर 5-1 से जीत दर्ज की। रेड्स ने ड्यूश बैंक पार्क में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा और इस सीजन के लीग चरण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। रासमस क्रिस्टेंसन ने 26वें मिनट में मुकाबले का पहला गोल दागा, जिसके बाद ह्यूगो एकिटिके ने शानदार गोल के साथ स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद वर्जिल वैन डाइक (39) और इब्राहिमा कोनाटे (44) ने पहले हाफ में कॉर्नर से गोल करके मैच का रुख पलट दिया। लिवरपूल इस मैच में 3-1 से आगे थी। दूसरे हाफ में कोडी गाकपो (66) और डोमिनिक सोबोस्जलाई (70) के गोलों ने आर्ने स्लॉट की टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, चेल्सी ने अजाक्स को 5-1 से शिकस्त दी। 18वें मिनट मार्क गुइयू ने गोल दागकर मैच का खाता खोला।

नागिन बनने से पहले

प्रियंका चाहर चौधरी ने इस एक्टर संग दिया सिजलिंग पोज !

प्रियंका चाहर चौधरी की कुछ फोटोज सामने आ गई हैं. इन फोटोज में वह बार्बी डॉल लग रही हैं. प्रियंका का ये लुक फैंस को काफी पसंद आया है.

फोटोज ने इंटरनेट पर लगाई आग

टीवी एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं. प्रियंका का नाम नागिन 7 से जुड़ रहा है. दावा है कि वह इस शो की लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी, लेकिन इस बीच वह सोशल मीडिया पर अपने फैंस को खूब एंटरटेन कर रही हैं. प्रियंका अक्सर अपनी फोटोज से फैंस का दिल जीत लेती हैं लेकिन इस बार एक्ट्रेस की एक फोटो ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. इस फोटो में वह मानिक पॉल के साथ नजर आ रही हैं. आइए आपको फोटोज दिखाते हैं.

प्रियंका चाहर चौधरी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह कमाल की लग रही हैं. पिंक लहंगे में प्रियंका का हुस्न देखने लायक हैं. फैंस की निगाहें प्रियंका पर अटक गई हैं.

प्रियंका ने अपने दिवाली लुक को बार्बी स्टाइल में पूरा किया. इस मौके पर एक्ट्रेस ने भारी भरकम पिंक लहंगा पहना. साथ में हल्की ज्वैलरी से अपना लुक अट्रैक्टिव बनाया. प्रियंका ने अपना मेकअप मिनिमल रखा. इन सबके बीच जिस फोटो ने फैंस का ध्यान खींचा वो ये है, जो ट्विटर पर वायरल हो रही है. इस फोटो में प्रियंका नामिक पॉल के साथ नजर आ रही हैं. नामिक ने प्रियंका को पीछे से हग किया हुआ है. हालांकि, आपको बता दें कि प्रियंका और नामिक की ये फोटो नकली है. इस फोटो को फैंस द्वारा बनाया गया है. ये दोनों कलाकार नागिन शो में लीड रोल निभा सकते हैं और इसी वजह से फैंस दोनों को साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं.

थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है: आयुष्मान

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि थामा उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है।अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया।

इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपए की कमाई की। थामा के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को थामा और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि थामा दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो। आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्में रिलीज करते आए हैं, थामा मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया।

यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है।

एक बेताल के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है। आयुष्मान खुराना ने आखिर में बताया कि थामा को पहले दिन जो दर्शकों को प्यार मिला, उसने यह मिथक तोड़ा कि लोग दीपावली पर सिर्फ सीक्वल, रीमेक और बड़े सुपरस्टार की फिल्में देखना चाहते हैं।

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी शक्ति शालिनी में लीड रोल करेंगी अनीत

यशराज फिल्म्स की सैयारा में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, आज मैडॉक की थामा थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी। अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में सैयारा फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। फिल्म शक्ति शालिनी अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

अपने चुलबुले अंदाज से सबका दिल जीतने वालीं अदाकारा शहनाज गिल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एक कुड़ी लेकर आ गई हैं।एक्ट्रेस की नई फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है और रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेलर छा गया है। इतना ही नहीं, हिना खान ने खुद फिल्म के ट्रेलर की भर-भरकर तारीफ की है। शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म एक कुड़ी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड में पहुंच जाती हैं और पता लगाती हैं कि जिससे उनकी शादी होने वाली है, असल में वो लड़का कैसा है। ट्रेलर में शहनाज को एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश है और वे उसके लिए अपने पूरे परिवार का साथ पाती हैं, जो लड़के को उसके गांव जाकर परखता है। फिल्म में फैमिली कॉमेडी से लेकर एक लड़की की शादी से पहले महसूस किए जाने वाले अनुभव और डर को दिखाया गया है। फैंस भी ट्रेलर को देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह, सचमुच बहुत बढ़िया ट्रेलर, शहनाज़ कमाल की और बहुत खूबसूरत लग रही हैं, फिल्म का इंतज़ार रहेगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, गजब, क्या ट्रेलर हैज सब कुछ एकदम सही, कहानी और गाने बहुत पसंद आ रहे हैं। बता दें कि फिल्म के गाने ट्रेलर रिलीज से पहले ही रिलीज कर दिए गए हैं। फिल्म में एक गाना शहनाज ने पंजाबी सिंगर यो-यो हनी सिंह के साथ भी फिल्माया है, जिसे फैंस का बंपर रिस्पांस मिला है। फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

लकी अली ने जावेद अख्तर को बताया खराब इंसान

मशहूर सिंगर लकी अली ने सोशल मीडिया पर लेखक जावेद अख्तर पर कटाक्ष किया। उन्होंने लोगों को उनके जैसे न बनने की हिदायत देते हुए कहा कि वह बहुत ही खराब इंसान हैं।यह मुद्दा तब उठा जब जावेद अख्तर का एक पुराना वीडियो फिर से सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें वह देश के हिंदू समुदाय से मुस्लिम समुदाय की तरह न बनने की अपील करते दिखाई दे रहे हैं। जावेद एक नास्तिक के रूप में जाने जाते हैं और लगातार उन पारंपरिक प्रथाओं की आलोचना करते हैं, चाहे उनकी आस्था किसी भी धर्म की हो, जो समाज को नुकसान पहुंचाती हैं। वह आलोचनात्मक सोच और समाज को बेहतर और प्रगतिशील बनाने वाली प्रथाओं को अपनाने की वकालत

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

करते हैं। जावेद इस वीडियो में शोले फिल्म के एक सीन का जिक्र करते दिखे। इस सीन में धर्मेंद्र शिवजी की मूर्ति के पीछे छिपकर बोलते हैं और हेमा मालिनी (सोचती हैं) कि शिवजी उनसे बात कर रहे हैं। जावेद कहते हैं कि क्या आज भी ऐसा सीन हो सकता है? नहीं, मैं आज ऐसा कोई सीन नहीं लिखूंगा। क्या 1975 में (जब शोले रिलीज हुई थी) हिंदू नहीं थे? क्या कोई धार्मिक लोग नहीं थे? थे। सच कहूं तो, मैं यहां यह नहीं कह रहा हूं। राजू हिरानी और मैं पुणे में एक बड़े दर्शक वर्ग के सामने थे और मैंने कहा, मुसलमानों की तरह मत बनो। उन्हें अपने जैसा बनाओ। तुम मुसलमानों की तरह बन रहे हो। यह एक त्रासदी है। यह वीडियो एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है।

इरिना नाम की महिला ने वीडियो के साथ लिखा, इसलिए पश्चिम बंगाल की उर्दू अकादमी ने जावेद अख्तर, जो खुद को बुद्धिमान बताते हैं, उन्हें अपने यहां कार्यक्रम में नहीं बुलाया। इस पर सिंगर लकी अली ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, जावेद अख्तर जैसे मत बनो, वह कभी भी ऑरिजिनल नहीं थे, वह बहुत ही खराब इंसान हैं। इस पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई है। कुछ लोग जावेद अख्तर का साथ देते दिखे तो कुछ लकी अली का। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब जावेद अख्तर किसी बयान को लेकर ट्रोल हुए हों, वह अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में आते रहते हैं।

हंसिका मोटवानी ने सरनेम में किया बदलाव !

पति सोहेल कथूरिया संग तलाक की है चर्चा

हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया के तलाक की चर्चा कई दिनों से हो रही है। इस बीच अब एक्ट्रेस ने अपने सरनेम में एक अक्षर जोड़ लिया है। फैंस इसके बारे में भी जोरशोर से चर्चा कर रहे हैं कि क्या उन्होंने अंक ज्योतिष के कारण ऐसा किया है या फिर कोई और वजह है।

साउथ और हिंदी फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने अपने सरनेम की स्पेलिंग में एक छोटा सा बदलाव किया है। लेकिन फैंस का ध्यान इस पर चला गया है। उन्होंने इस अपडेट को फौरन नोटिस कर लिया है, क्योंकि ये बदलाव बिजनेसमैन पति सोहेल कथूरिया संग तलाक की अफवाहों के बीच हुआ है। क्या ये पर्सनल च्वॉइस की वजह से किया है या अंक ज्योतिष का मामला है या उनके रिश्ते में कथित बदलाव हुआ है।

इस सवाल का जवाब अभी नहीं मिला है। देसमुदुरु, कोई मिल गया और महा जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए फेमस एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने अपने सरनेम की स्पेलिंग आधिकारिक तौर पर अपडेट की है। इसकी वजह का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन किस्मत या अंक ज्योतिष के लिए नाम बदलना सेलेब्स के बीच एक आम चलन है।

चाइल्ड एक्ट्रेस शुरू किया था करियर

हंसिका ने बतौर चाइल्ड एक्टर काम करना शुरू कर दिया था। वो शाका लाका बूम बूम टीवी शो के बाद ऋतिक रोशन की कोई मिल गया में नजर आई थीं। फिर 2007 में अल्लू अर्जुन की देसामुदुरु से साउथ में डेब्यू किया। वो तमिल और तेलुगू फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस बन गईं।

2022 में की थी शादी

हंसिका ने साल 2022 में जयपुर में बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से धूमधाम से शादी की थी। उनकी वेडिंग एनिवर्सिरी को जियो हॉटस्टार की एक डॉक्यूसीरीज लव, शादी, ड्रामा में दिखाया गया था। पर बीते कुछ समय से कयास लगाया जा रहा है कि वो अपने पति के साथ नहीं रहती हैं।

द लंचबॉक्स 2 में अनिल कपूर को लेना चाहते हैं निर्माता

इरफान खान की अदाकारी वाली फिल्म द लंचबॉक्स साल 2013 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की काफी सराहना हुई थी। हाल ही में इस फिल्म की निर्माता गुनीत मोंगा ने इस फिल्म के काल्पनिक सीक्वल को लेकर अहम बात की है। उन्होंने बताया है कि अगर इस फिल्म का सीक्वल बनता है तो वह इरफान की जगह पर इस फिल्म में वह किसे लेंगी।

इरफान की जगह अनिल कपूर

कोमल नाहटा के पॉडकास्ट गेम चेंजर्स में बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा से पूछा गया कि अगर उन्हें दिवंगत इरफान खान की जगह फिल्म द लंचबॉक्स के सीक्वल में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना पड़े, तो वह किसे चुनेंगी। मोंगा ने कुछ देर रुकने के बाद जवाब दिया अनिल कपूर। क्या फिल्म का सीक्वल बनेगा? इस पर निर्माता ने कोई बात नहीं की है।

कान में हुआ द लंचबॉक्स का प्रीमियर

रितेश बत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म द लंचबॉक्स उन फिल्मों में से एक है जिसे दुनियाभर में खूब सराहा गया। इसका प्रीमियर कान में हुआ और कई वैश्विक समारोहों में पुरस्कार जीते। गुनीत मोंगा और करण जौहर द्वारा सह-निर्मित इस फिल्म में इरफान खान, निमरत कौर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शानदार किरदार निभाया था।

ओजी बॉयज़ की वापसी..!

ट्रेलर लॉन्च के वादे के साथ वेवबैंड प्रोडक्शन ने किया मस्ती4 का दूसरा पोस्टर रिलीज़

कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ मस्ती चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है! इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित मस्ती 4 का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज़ के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।इस पोस्टर ने आते ही ओरिजिनल मस्ती की यादें ताज़ा कर दी हैं, जो बेशुमार रंगों के साथ ढेर सारी अफरातफरी, मस्ती और शरारतों से भरपूर थी! सिर्फ यही नहीं ओजी तिकड़ी यानी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी, एक बार फिर अमर, मीत और प्रेम के रूप में लौट रहे हैं, और मस्ती 4 के साथ दर्शकों को जोरदार हंसी और मनोरंजन से भरी एक रोलरकोस्टर राइड देने का वादा कर रहे हैं। भव्य पैमाने पर बनी इस फिल्म में बड़े-से-बड़े कॉमेडी एलिमेंट्स, विदेशी और आंखों को सुकून देने वाले लोकेशन हैं। चार गुना ज्यादा एंटरटेनमेंट के साथ कानों में बस जानेवाले धुन और हँसी-ठहाकों से भरपूर मस्ती 4 ऐसा हास्य पेश करेगी, जो आज के दर्शकों के लिए बॉलीवुड कॉमेडी को नए सिरे से परिभाषित करेगी। नटखट टैगलाइन, चुलबुला डिज़ाइन और तिकड़ी की संक्रामक एनर्जी के साथ, पोस्टर फ्रेंचाइज़ की मस्ती से भरी रूह को एक बार फिर ज़िंदा कर देता है। और यकीन मानिए यह उत्साह यहीं नहीं रुकेगा, बल्कि जल्द रिलीज़ होनेवाले ट्रेलर के साथ यह दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा देगा! फिलहाल इस बार मस्ती गैंग में ओजी बॉयज़ के साथ शामिल हैं श्रेया शर्मा, रुई सिंह और एलनाज़ नोरोज़ी, जो इस पागलपन में नई चमक जोड़ेंगी।

कमाल करेगी तिकड़ी

इसी के साथ कुछ सरप्राइज़ कैमियो भी होंगे, जो पुराने फैंस का दिल जीत लेंगे। वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी मस्ती 4 के निर्माता हैं ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठाकेरिया (मारुति इंटरनेशनल), शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल।